Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 154 | शनिवार, 13 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

योगी सरकार की नोएडा को बड़ी सौगात

नोएडा-ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट के लिए दौड़ीं 44 इलेक्ट्रिक व डबल डेकर बसें

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर। गौतमबुद्ध नगर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी सौगात देते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने 44 इलेक्ट्रिक एवं डबल डेकर बसों को वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई बस सेवा के शुरू होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा आसपास के जिलों के लाखों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन का लाभ मिलेगा। विशेष रूप से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंच आसान होने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बसों का किराया मात्र 10 रुपये से 50 रुपये तक निर्धारित किया गया है, जिससे आम लोगों को किफायती यात्रा का विकल्प मिलेगा। सरकार की योजना आने वाले दिनों में बसों की संख्या बढ़ाकर 100 करने की है, जिससे सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क और अधिक मजबूत होगा। इस पहल को गौतमबुद्ध नगर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र के नागरिकों ने इस नई परिवहन सुविधा का स्वागत करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण निर्णय बताया है।

सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के बाद मीनाक्षी नटराजन बोलीं, यह लोकतंत्र और संविधान के लिए एक आघात है

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके नॉमिनेशन पेपर रद्द किए जाने के खिलाफ दायर याचिका खारिज किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और इस फैसले को लोकतंत्र और भारत के संविधान के लिए एक झटका बताया। मीडिया से बात करते हुए नटराजन ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत झटका नहीं बल्कि लोकतंत्र और संविधान के लिए एक आघात है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग 48 घंटों तक कोई जवाब नहीं दे रहा था, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने कम से कम उनकी याचिका पर सुनवाई की।

नटराजन ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत झटका नहीं है। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान के लिए एक झटका है। मैंने शुरू में ही कहा था कि चुनाव आयोग के सदस्य निष्पक्ष नहीं थे। जब हमारे लोग चुनाव आयोग के पास गए, तो उन्होंने 48 घंटों तक हमें कोई जवाब नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कम से कम हमारी याचिका पर सुनवाई की और फैसला सुनाया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि समस्या मध्य प्रदेश राज्य से नहीं, बल्कि खुद चुनाव आयोग से है और रिटर्निंग ऑफिसर का काम करने का तरीका सबके सामने आ गया है। बाद में नटराजन ने ANI से कहा कि हम सभी चुनाव आयोग का रुख जानते हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती। यह विवाद तब शुरू हुआ जब रिटर्निंग ऑफिसर ने मध्य प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों में से एक के लिए नटराजन का नामांकन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उन्होंने एक लंबित आपराधिक मामले की जानकारी नहीं दी थी। नामांकन खारिज होने के बाद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग से मिलकर इस फैसले को तुरंत पलटने की मांग की, जिसके बाद पार्टी सुप्रीम कोर्ट पहुंची। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इसे खारिज किया जाता है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नटराजन के नामांकन पर उसकी टिप्पणियों का अधिकार क्षेत्र वाले हाई कोर्ट में दायर की जा सकने वाली किसी भी चुनाव याचिका पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नटराजन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ आरोप तय नहीं किए गए थे, जो 'रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल्स एक्ट' (RoP) के तहत नामांकन पत्र खारिज करने के लिए एक जरूरी शर्त है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लंबित जांच 6 महीने में पूरी करे सरकार, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

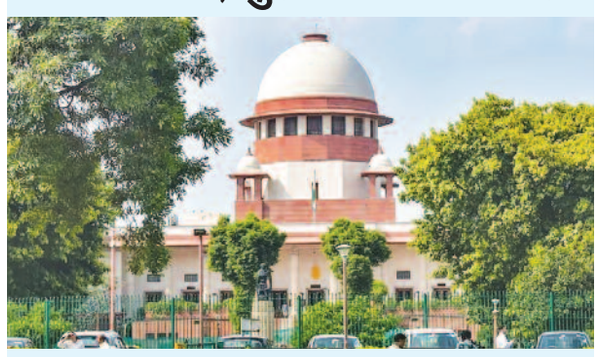

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र को निर्देश दिया कि वे पूर्व IPS अधिकारी अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लंबित सभी चार अनुशासनात्मक कार्यवाही 6 महीने के भीतर पूरी करें। 1992 बैच के यूपी कैडर के IPS अधिकारी ठाकुर को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 23 मार्च 2021 को नियमों के तहत और कई विभागीय जांचों व अनुशासनात्मक शिकायतों के बाद, जनहित में सेवा में बनाए रखने के लिए अनुपयुक्त होने के आधार पर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया था। बता दें, अगर यह कदम नहीं उठाया जाता तो वे 2028 तक सेवा में रहते। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने राज्य सरकार की ओर से पेश वकील रुचिरा गोयल की इस दलील पर गौर किया कि ठाकुर के खिलाफ चार अनुशासनात्मक कार्यवाहियां लंबित हैं। दूसरी ओर, पूर्व IPS अधिकारी ने आरोप लगाया कि कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के बावजूद पिछले 10 सालों से कार्यवाही को खींचा जा रहा है और नतीजतन, ग्रेच्युटी फंड के 10 लाख रुपये सहित उनकी सेवानिवृत्ति से जुड़ी बकाया राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है।

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद का सनसनीखेज दावा: काकोली घोष दस्तीदार कैमरे पर 5 लाख लेते पकड़ी गई थीं, जल्द करूंगा पर्दाफाश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसद कीर्ति आजाद ने शुक्रवार को पार्टी के बागी नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि काकोली घोष दस्तीदार कैमरे पर 5 लाख रुपये लेते हुए पकड़ी गई थीं। उन्होंने TMC प्रमुख ममता बनर्जी की आलोचना करने को लेकर काकोली घोष दस्तीदार की ईमानदारी पर सवाल उठाए।

ANI से बात करते हुए आजाद ने दावा किया कि काकोली घोष दस्तीदार ने पहले भी रिश्वत ली है। उन्होंने कहा कि उनके पास इसमें शामिल दूसरे लोगों के बारे में भी जानकारी है और वे पैसे मिलने पर उनका पर्दाफाश करेंगे।

कीर्ति आजाद ने कहा कि काकोली दस्तीदार कैमरे पर 5 लाख रुपये लेते हुए पकड़ी गई थीं। तब उनकी ईमानदारी कहाँ गई थी? फिर भी आज वह ममता बनर्जी से रिश्वत के बारे में सवाल करती हैं।

जब वह रिश्वत की बात करती हैं, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि शुरूआती आठ लोगों में से कितनों ने रिश्वत ली थी... मुझे ये सारी बातें पता हैं। एक दिन मैं उनका पर्दाफाश करूँगा। मेरा इरादा उन्हें उसी पल रंगे हाथों पकड़ने का है जब वे 10 लाख रुपये सौंपेंगे। यह नामुमकिन नहीं है, क्योंकि जानकारी उनके अपने ही खेमे से मिलेगी।

आजाद ने बागी नेता रिताब्रता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुराने विवादों और लेफ्ट से निकाले जाने के बावजूद, बनर्जी बार-बार राजनीतिक पद पाने की कोशिश करते रहे। आजाद ने कहा कि उस आदमी, रिताब्रता बनर्जी को ही ले लीजिए, जो इधर-उधर भटक रहा था और उस अश्लील वीडियो में शामिल था।

लेफ्ट ने उसी वीडियो की वजह से उसे निकाल दिया था। वह 'युवराज' से अपने लिए कोई सीट या पद दिलाने की गुहार लगाता रहा। उसे पहले टढ बनाया गया, फिर ट्रेड यूनियन का अध्यक्ष और बाद में टछअ। उससे वादा किया गया था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आई तो उसे लेबर मिनिस्टर का पद दिया जाएगा। लेकिन ऐसे एहसान-फरामोश लोगों के बारे में बात ही क्यों करें?

TMC सांसद कल्याण बनर्जी के अभिषेक बनर्जी का केस न लड़ने के बयान पर आजाद ने कहा कि सब कुछ सुलझ गया है। वह भावुक इंसान हैं। उन्हें जल्दी गुस्सा आ जाता है। लेकिन दीदी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। आजाद ने 'ऑपरेशन लोटस' के तहत बीजेपी के कथित दबाव वाले तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'जिन सांसदों ने साइन नहीं किया था, उनके घरों के अंदर बीजेपी के लोग बैठे थे। बाहर पुलिस पहरा दे रही थी। उनके घर तोड़ दिए गए। उनके परिवारों को डराया-धमकाया गया। कई लोग डर के मारे सामने आए हैं।

उन्होंने कहा कि बापी हलदर का घर पूरी तरह से तोड़ दिया गया था। वह कांप रहे थे। वह पहली बार सांसद बने हैं, युवा हैं। दो और लोग भी हैं। आप देख सकते हैं कि पहले आठ नामों को अलग स्याही से लिखा गया है, जबकि चौदह से अठारह तक के अगले ग्रुप को काली स्याही से लिखा गया है। उस ग्रुप में तीन मुसलमान भी शामिल हैं। अब बीजेपी को उनकी भी जरूरत है, भले ही वे आम तौर पर उनके बारे में बुरा-भला कहते हों, क्योंकि उन्हें दो-तिहाई बहुमत चाहिए।

ओवरहेड तार में फंसा कपड़ा, हार्बर लाइन की सर्विस ठप होने से पीक आवर्स में मचा हाहाकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबईकरों की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन नेटवर्क को शुक्रवार सुबह एक अजीबोगरीब लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ा। चेम्बूर स्टेशन के पास रेलवे के ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) तार पर कथित तौर पर एक कपड़ा फेंक दिए जाने के कारण तकनीकी खराबी आ गई, जिससे हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं पूरी तरह चरमरा गईं।यह घटना सुबह के उस समय (Peak Hours) हुई जब लाखों लोग अपने दफ्तरों और कॉलेजों के लिए निकलते हैं।

ओएचई तार में कपड़ा फंसने की वजह से अप और डाउन दोनों दिशाओं में ट्रेनों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि कई लोकल ट्रेनें देरी से चलीं, जबकि खराबी के कारण कुछ सर्विस को कुछ समय के लिए रोक दिया गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी टीमों को मौके पर भेजा गया और वे ओवरहेड तार से कपड़ा हटाने और जल्द से जल्द सामान्य सर्विस बहाल करने के लिए काम कर रही थीं। अधिकारियों ने कहा कि रुकावट को हटाने और ट्रेन संचालन फिर से शुरू करने की कोशिशें जारी थीं। मुंबई हार्बर लाइन, मुंबई लोकल ट्रेन नेटवर्क के मुख्य उपनगरीय रेलवे कॉरिडोर में से एक है, जो दक्षिण मुंबई, नवी मुंबई और रायगढ़ जिले के कुछ हिस्सों के बीच यात्रियों को जोड़ती है।

'जश्न मनाने का समय है, लेकिन निंदा के लिए नहीं', भारतीय की मौत पर पीएम मोदी पर बरसे ओवैसी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए अमेरिकी सैन्य हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास जश्न मनाने का समय है, लेकिन भारतीय नागरिकों की मौत पर अमेरिका की निंदा करने का समय नहीं है।

'भारतीयों की जान बचाना सरकार की पहली जिम्मेदारी'

ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और चिंताजनक है कि भारतीयों की मौत के बावजूद सरकार की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली।

उन्होंने लिखा कि भारतीयों की जान बचाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री के पास उत्सव मनाने का समय है, लेकिन भारतीयों की हत्या पर अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है।

केंद्र सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप

ओवैसी ने दावा किया कि मोदी सरकार बार-बार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीय युवाओं की भर्ती सैनिकों के रूप में कर रहा है और उनकी मौत की खबरें सामने आती हैं, लेकिन सरकार प्रभावी कदम उठाने में असहाय नजर आती है। इसके अलावा उन्होंने चीन और गलवान घाटी के मुद्दे का भी उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति पर सवाल उठाए।

दरअसल, भारत सरकार ने गुरुवार को पुष्टि की कि पिछले चार दिनों के दौरान ओमान तट के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय क्रू सदस्यों वाले तीन व्यापारी जहाज प्रभावित हुए। इनमें से एक हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। भारत ने इस घटना पर अमेरिका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मुद्दे को अमेरिकी प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाया गया है। भारत ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने इस घटना को लेकर अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है।

'जो राम को लाये हैं हम उनको लायेंगे', गीत की बदौलत यूपी की सत्ता में लौटी बीजेपी की मुश्किलें राम मंदिर के चंदे को लेकर उठे विवाद ने बढ़ा दी हैं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सभाओं में एक गाना लगातार गूंजता था 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।' यह गीत केवल चुनावी माहौल का हिस्सा नहीं था, बल्कि भाजपा की राजनीतिक रणनीति का सबसे असरदार प्रतीक बन गया था। राम मंदिर और अयोध्या का मुद्दा भाजपा के लिए भावनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर सबसे मजबूत हथियार साबित हुआ और योगी सरकार ने सत्ता में फिर से वापसी की। लेकिन अब जबकि उत्तर प्रदेश के अगले विधानसभा चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है, तब अयोध्या राम मंदिर के चंदे को लेकर उठे विवाद ने भाजपा को असहज कर दिया है। विपक्ष लगातार हमलावर है और मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवालों की आंच अब राजनीतिक गलियारों से निकलकर धार्मिक दायरों तक पहुंच गई है।

पूरा विवाद उस समय तेज हुआ जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर में आने वाले चंदे के प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए करोड़ों रुपये के चंदे में गड़बड़ी हुई है। इसके बाद यह मामला केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भाजपा के भीतर और मंदिर से जुड़े लोगों के बीच भी बेचैनी दिखाई देने लगी। अयोध्या में भाजपा के प्रवक्ता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराने की मांग कर डाली। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है और यदि चंदे में किसी तरह की वित्तीय अनियमितता हुई है तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि श्रद्धालुओं की भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाने वाला मामला है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग भी की। मामले को और गंभीर तब माना जाने लगा जब मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र का अचानक अयोध्या दौरा हुआ। बताया गया कि निर्धारित कार्यक्रम से पहले पहुंचे नृपेंद्र मिश्र ने करीब तीन घंटे तक बैठक कर निर्माण कार्य और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। हालांकि ट्रस्ट की ओर से इसे सामान्य समीक्षा बताया गया, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे विवाद की गंभीरता से जोड़कर देखा जा रहा है।

उधर, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सफाई देते हुए कहा कि एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के कर्मचारी और स्वयंसेवक चंदे की गिनती में लगे हैं और अभी तक किसी गड़बड़ी की जानकारी सामने नहीं आई है। बावजूद इसके विवाद थमता नहीं दिख रहा। समय बीतने के साथ चंदे की गिनती और प्रबंधन को लेकर नए नए आरोप सामने आ रहे हैं। इस बीच शिवसेना उद्धव गुट ने भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है। पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे जल्द अयोध्या जाएंगे क्योंकि वह इस पूरे मामले से बेहद व्यथित हैं। राउत ने कहा कि भगवान राम जैसे बुला रहे हैं और अब अयोध्या जाकर इस मुद्दे को उठाना जरूरी हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर राम मंदिर जैसे पवित्र स्थल के चंदे पर सवाल कैसे खड़े हो सकते हैं। संजय राउत ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने मंदिर निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये का योगदान दिया था और अब ट्रस्ट को जवाब देना चाहिए। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज और नृपेंद्र मिश्र की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। राउत ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि यदि वह कह रहे हैं कि उन्हें पूरी जानकारी है लेकिन ताकतवर लोगों के कारण बोल नहीं पा रहे, तो मामला बेहद गंभीर है। उधर, मंदिर ट्रस्ट से जुड़े महंत कमल नयन दास ने भी कहा कि यदि किसी तरह की अनियमितता हुई है तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान माहौल आरोप और प्रत्यारोप से भरा है और जांच करने वालों की पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जांच होनी चाहिए जिस पर सभी पक्षों को भरोसा हो और सच सामने आ सके।

हम आपको बता दें कि महिपाल सिंह नाम के एक व्यक्ति, जो खुद को मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताते हैं, उन्होंने दावा किया है कि लंबे समय से चंदे में अनियमितताएं हो रही थीं। उन्होंने कुछ प्रभावशाली लोगों के नाम लेने के साथ यह भी आरोप लगाया कि शिकायत करने के बाद उन्हें हटा दिया गया।

संपादक की कलम से

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है। हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है। सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

ललित शर्मा
संपादक

भारत की सड़कों पर ट्रैफिक कानून बनाम लापरवाही: क्या नियम हार रहे हैं और दबंगई जीत रही है

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत आज 142.6 करोड़ से अधिक आबादी वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इतनी विशाल जनसंख्या,विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ,तीव्र शहरीकरण और तेजी से बढ़ते मोटर वाहनों के बीच कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करना किसी भी सरकार के लिए असाधारण चुनौती है। भारत में हजारों केंद्रीय और राज्य कानून लागू हैं और अधिकांश क्षेत्रों में उनका पालन संतोषजनक रूप से होता भी है।

किंतु सड़क परिवहन और ट्रैफिक कानूनों का क्रियान्वयन एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ व्यवस्था और वास्तविकता के बीच गंभीर अंतर दिखाई देता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि जनता पर लागू प्रमुख सड़क परिवहन कानून और नियमः(1)मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019:यह कानून सड़क सुरक्षा बढ़ाने और नियमों के उल्लंघन (जैसे- बिना हेलमेट /सीटबेल्ट,शराब पीकर गाड़ी चलाना) पर भारी जुमार्ने के लिए लागू है।(2)केंद्रीय मोटर वाहन नियम,1989:यह वाहन के तकनीकी मानकों (जैसे- प्रदूषण, लाइट,सुरक्षा उपकरण) को निर्धारित करता है।

(3) राष्ट्रीय राजमार्ग नियंत्रण (भूमि और यातायात) अधिनियम, 2002: यह राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने और यातायात के सुचारू संचालन को नियंत्रित करता है। (4)सड़क मार्ग द्वारा वहन अधिनियम, 2007:यह माल परिवहन करने वाले वाहकों के नियमों और दायित्वों से संबंधित है।(5)परिवहन परमिट (धारा 66-70): व्यावसायिक वाहनों के लिए वैध परमिट अनिवार्य है।

इन अधिनियमों का सख़्ती से क्रियान्वयन नहीं करना यह केवल प्रशासनिक शिथिलता का प्रश्न नहीं है,बल्कि सामाजिक मानसिकता, तकनीकी ढांचे, राजनीतिक इच्छाशक्ति और नैतिक अनुशासन का भी मुद्दा है।भारत में सड़क सुरक्षा का मूल कानूनी ढांचा मोटर व्हीकलस एक्ट पर आधारित है,जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, इन अधिनियमों का उद्देश्य वाहन पंजीकरण,ड्राइविंग लाइसेंस बीमा,फिटनेस, प्रदूषण नियंत्रण और सड़क सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना है। 2019 में इस कानून में व्यापक संशोधन किए गए,जुमार्नों को बढ़ाया गया,डिजिटल प्रवर्तन को प्रोत्साहित किया गया और राज्यों को अधिक दायित्व सौंपे गए इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत लगभग 40.7 करोड़ वाहनों में से 70 प्रतिशत से अधिक वाहन किसी न किसी वैधानिक आवश्यकता का पालन नहीं कर रहे हैं। इनमें प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र,वैध बीमा,फिटनेस सर्टिफिकेट और समय पर पंजीकरणनवीनीकरण जैसी अनिवार्य शर्तें शामिल हैं।

केवल लगभग 8 करोड़ वाहन ही पूर्णतः अनुपालन की श्रेणी में आते हैं,जबकि 30 करोड़ से अधिक वाहन अधूरे दस्तावेजों के साथ सड़कों पर चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त 2 करोड़ से अधिक वाहन ऐसे हैं जिनका पंजीकरण पहले ही निरस्त किया जा चुका है,किंतु वे डेटाबेस में दर्ज हैं।यह स्थिति केवल प्रशासनिक आंकड़ों कीसमस्या नहीं है;यह सड़क सुरक्षा,पर्यावरण संरक्षण और विधि शासन के लिए गंभीर चुनौती है। भारत में सबसे बड़ी चिंता दोपहिया वाहनों को लेकर है। गैर- अनुपालन वाले वाहनों में लगभग 23.5 करोड़ दोपहिया वाहन शामिल हैं।हेलमेट का उपयोग न करना,तीन-तीन लोगों का बैठना,नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना,बीमा या फिटनेस न होना,ये दृश्य देश के हर छोटे-बड़े शहर में सामान्य हो चुके हैं।

महाराष्ट्र के छोटे शहर गोंदिया से लेकर महानगरों तक ट्रैफिक अनुशासन की कमी स्पष्ट दिखाई देती है।सिग्नल तोड़ना,गलत दिशा में वाहन चलाना मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करना, सोशल मीडिया रील्स बनाने के लिए स्टंट करना,ये सब अब केवल अपवाद नहीं रहे,बल्कि एक व्यापक सामाजिक प्रवृत्ति बनते जा रहे हैं। द्वारका की घटना में मृतक की मां द्वारा कही गई बात,कि यह केवल दुर्घटना नहीं बल्कि मानसिकता का प्रश्न है,भारत की सड़क सुरक्षा बहस का केंद्रीय बिंदु है। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने की होड़,तेज रफ्तार को स्टेटस सिंबल मानना,और कानून को चुनौती देने की प्रवृत्ति एक नई पीढ़ी के भीतर उभरती दिखाई देती है। डिजिटलप्लेटफॉर्म पर खतरनाक स्टंट्स के वायरल होने से युवाओं में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए केवल दंड पर्याप्त नहीं; शिक्षा, जागरूकता और डिजिटल प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी भी आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम हाल की घटनाओं ने इस संकट को और भी स्पष्ट कर दिया है इसको समझने की करें तो फरवरी 2026 में दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग द्वारा तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से बाइक सवार युवक को टक्कर मारने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह घटना उस समय हुई जब आरोपी कथित रूप से सोशल मीडिया के लिए रील बनाने के उद्देश्य से वाहन चला रहा था। मृतक युवक की मां का सार्वजनिक बयान इस घटना को महज दुर्घटना नहीं, बल्कि आपराधिक मानसिकता का परिणाम बताता है।उनका दर्द केवल व्यक्तिगत शोक नहीं था;वह एक ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह था जहाँ कुछ लोग स्वयं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं।इस घटना में आरोपी नाबालिग को किशोर न्याय प्रणाली के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया।

भारत में नाबालिगों से संबंधित मामलों का निपटान जुवेंइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन) एक्ट के तहत किया जाता है। इस कानून का उद्देश्य बच्चों के पुनर्वास और सुधार पर बल देना है, न कि दंडात्मक प्रतिशोध पर। किंतु जब अपराध की प्रकृति गंभीर हो, विशेषकर तब जब उसमें जान का नुकसान हुआ हो, तो समाज में न्याय और दया के बीच संतुलन को लेकर व्यापक बहस शुरू हो जाती है।

द्वारका प्रकरण में आरोपी को बोर्ड परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत दी गई,जिससे पीड़ित परिवार और आम जनता में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। इससे पहले पुणे में हुई चर्चित पोर्श दुर्घटना ने भी देश को झकझोरा था। वहाँ भी एक नाबालिग द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाने से गंभीर दुर्घटना हुई थी और आरोपों में साक्ष्य मिटाने की बात सामने आई थी। ऐसे मामलों में प्रश्न केवल व्यक्तिगत अपराध का नहीं, बल्कि अभिभावकीय जिम्मेदारी सामाजिक प्रतिष्ठा, धनबल और प्रभाव के दुरुपयोग का भी है। जब परिवार अपने नाबालिग बच्चों को उच्च क्षमता वाले वाहन चलाने की अनुमति देते हैं, तो यह केवल कानूनी उल्लंघन नहीं बल्कि नैतिक विफलता भी है।

साथियों बात अगर हम भारत में प्रतिवर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं इसको समझने की करें तो,इसमें हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें बताती हैं कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सड़क दुर्घटनाएँ मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक हैं।

भारत, जिसकी सड़क नेटवर्क लंबाई विश्व में सबसे अधिक में से एक है, सड़क सुरक्षा के मामले में अभी भी विकसित देशों से काफी पीछे है। विकसित देशों में सख्त प्रवर्तन,स्वचालित कैमरा प्रणाली, उच्च दंड और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया के कारण अनुपालन दर अधिक है। भारत सरकार द्वारा हाल ही में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक में वाहन डेटाबेस को साफ करने और चरणबद्ध तरीके से गैर- अनुपालन वाहनों को स्वतः डी-रजिस्टर करने का प्रस्ताव इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

यदि तय समयसीमा के भीतर बीमा,फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाते,तो ऐसे वाहनों को स्वतः निष्क्रिय करने की व्यवस्था लागू की जा सकती है। यह कदम केवल तकनीकी सुधार नहीं होगा;यह प्रशासनिकइच्छाशक्ति की परीक्षा भी होगा। सड़क सुरक्षा का प्रश्न केवल कानून या पुलिस तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक संस्कृति का प्रश्न भी है। भारत में कई लोग ट्रैफिक जुमार्ने को मामूली खर्च या समझौते का अवसर मान लेते हैं। कुछ स्थानों पर ट्रैफिक विभाग को मलाईदार विभाग कहे जाने का कारण भी यही धारणा है कि प्रवर्तन पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं है। जब कानून का पालन कराने वाला तंत्र ही विश्वास खो देता है, तो नागरिक अनुशासन भी कमजोर पड़ जाता है।

साथियों बात कर हम पर्यावरणीय दृष्टि से इस पूरे मुद्दे को समझने की करें तो भी 30 करोड़ से अधिक गैर-अनुपालन वाले वाहनों की उपस्थिति गंभीर चिंता का विषय है। बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के वाहन वायु प्रदूषण बढ़ाते हैं,जो पहले से ही कई भारतीय शहरों में खतरनाक स्तर पर है। प्रदूषण और सड़क सुरक्षा दोनों ही सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े मुद्दे हैं।यदि भारत को 21वीं सदी में एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभरना है,तो सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय अनुपालन को प्राथमिकता देनी ही होगी।यह भी ध्यान देने योग्य है कि कानूनों की संख्या पर्याप्त है; समस्या क्रियान्वयन की है। पुलिस बल की कमी,न्यायिक लंबित मामले, तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता और राजनीतिक हस्तक्षेप-ये सभी प्रवर्तन को प्रभावित करते हैं। यदि किसी राज्य में ट्रैफिक उल्लंघन के मामलों का शीघ्र निपटान नहीं होता, तो दंड का निवारक प्रभाव कम हो जाता है।

साथियों बात अगर हम समाधान के रूप में कुछ ठोस सुझावों को समझने की करें तो, पहला, नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर अभिभावकों के लिए कठोर दंड का अनिवार्य प्रावधान और उसका वास्तविक क्रियान्वयन। दूसरा, सभी वाहनों के लिए डिजिटल अनुपालन ट्रैकिंग और गैर-अनुपालन पर स्वचालित जुमार्ना। तीसरा, स्कूल स्तर से सड़क सुरक्षा शिक्षा कोअनिवार्य पाठ्यक्रम में शामिल करना।

चौथा,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ समन्वय कर खतरनाक स्टंट्स के प्रचार पर रोक। पाँचवाँ ट्रैफिक पुलिस की जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र निगरानी तंत्र।भारत का लोकतंत्र विशाल और जीवंत है। परंतु लोकतंत्र केवल मतदान का अधिकार नहीं; यह कानून के समक्ष समानता और नागरिक जिम्मेदारी का भी नाम है।

जब सड़क पर कोई व्यक्ति नियम तोड़ता है, तो वह केवल व्यक्तिगत जोखिम नहीं लेता; वह दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालता है। द्वारका की घटना में एक मां का आक्रोश हमें याद दिलाता है कि हर दुर्घटना के पीछे एक परिवार का बिखरना छिपा होता है।यदि 70 प्रतिशत वाहन नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं बल्कि सामूहिक चेतना का संकट है। भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने की आकांक्षा के साथ-साथ सामाजिक अनुशासन और विधि-पालन की संस्कृति भी विकसित करनी होगी। सड़क सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित कर केंद्र और राज्यों को समन्वित, तकनीक-समर्थित और पारदर्शी ढांचा अपनाना चाहिए।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तरपर इसको समझने की करें तो अनुभव बताते हैं कि सड़क सुरक्षा सुधार के लिए बहु-स्तरीय रणनीति आवश्यक होती है-कानून का कठोर प्रवर्तन, तकनीकी निगरानी, सड़क अवसंरचना में सुधार, वाहन सुरक्षा मानकों का उन्नयन और नागरिक शिक्षा। भारत में भी ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन, ई-चालान प्रणाली, और एकीकृत वाहन डेटाबेस जैसी पहलों से सुधार संभव है। परंतु जब तक स्थानीय स्तर पर निरंतर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आंकड़ों में सुधार सीमित रहेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह लेख किसी एक घटना की प्रतिक्रिया नहीं बल्कि एक व्यापक आह्वान है।सड़क पर चलने वाला प्रत्येक नागरिक, चाहे वह पैदल यात्री हो, साइकिल सवार, बाइक चालक या कार ड्राइवर सुरक्षा का अधिकार रखता है।

कानून का सम्मान और अनुशासन का पालन ही उस अधिकार की रक्षा कर सकता है। यदि सरकार प्रस्तावित ढांचे को सख्ती से लागू करे, वाहन डेटाबेस को शुद्ध करे और गैर-अनुपालन पर वास्तविक दंड सुनिश्चित करे,तो भारत सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है। भारत का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या, अर्थव्यवस्था या तकनीकी क्षमता से नहीं तय होगा; वह इस बात से भी तय होगा कि वह अपने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा को कितनी गंभीरता से लेता है। सड़क पर अनुशासन, कानून का निष्पक्ष प्रवर्तन और सामाजिक जिम्मेदारी-ये तीनों मिलकर ही उस सुरक्षित और जिम्मेदार भारत का निर्माण कर सकते हैं जिसकी कल्पना एक सशक्त लोकतंत्र करता है।

आँखें हो रही शर्मसार

उदय किशोर साह

कविता

आधुनिकता की कैसी बह रही बयार ।
उड़ गई मयार्दा की यहाँ पे संसार ।।
आधुनिकता की दौड़ में हारा संस्कार ।
शर्म से झुक गई आँखें, हो रहीशर्मसार ।।

फैशन ने खोल दी है नई नई बाजार ।
अर्धनग्न परिधान की छाई है बहार ।।
गर्व में चूर है बिकनी की वो दरबार ।
शर्म से झुक गई आँखें,हो रही शर्मसार ।।

दौलत की नशे में चूर है जिनका परिवार ।
पश्चिमी सभ्यता की कर रहे वो प्रचार ।।
भारतीय सभ्यता हुई समाज में तार तार ।
शर्म से झुक गई आँखें ,हो रही शर्मसार ।।

भूल गया अपना वजूद अपना व्यवहार ।
नकल में पागल है जग के युवा बेरोजगार ।।
भारतीय चलचित्र भी है आज गुनहगार ।
शर्म से झुक गई आँखें ,हो रही शर्मसार ।।

गलत परिवेश की खुल गई आज द्वार ।
ओछी संस्करण की चल गई व्यापार ।।
किस को दोष दूँ मैं ओ परवरदिगार ।
शर्म से झुक गई आँखें, हो रही शर्मसार ।।

जल युद्ध की आहट: अगला युद्ध तेल के लिए नहीं, पानी के लिए लड़ा जाएगा

एन0के0शर्मा
लेखक

एक समय था जब मानव सभ्यता की सबसे बड़ी लड़ाइयाँ भूमि के लिए लड़ी गईं। फिर युग बदला और तेल ने विश्व राजनीति का केंद्र स्थान ग्रहण कर लिया। बीसवीं शताब्दी के अधिकांश युद्धों और कूटनीतिक संघर्षों के पीछे ऊर्जा संसाधनों की भूख छिपी रही। लेकिन इक्कीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक में खड़े होकर जब दुनिया अपने भविष्य की ओर देखती है, तो क्षितिज पर एक नया संकट भयावह आकार लेता दिखाई देता है-पानी। वह पानी, जो जीवन का आधार है; वह पानी, जिसके बिना किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग और अस्तित्व की कल्पना तक संभव नहीं; वही पानी अब वैश्विक संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बनने की ओर बढ़ रहा है।

दुनिया की लगभग हर महान सभ्यता किसी नदी के किनारे जन्मी थी। गंगा, सिंधु, नील, टिगरिस, यूफ्रेट्स और यांग्त्से जैसी नदियों ने मानव इतिहास को दिशा दी। लेकिन आज विडंबना यह है कि जिन नदियों ने सभ्यताओं को जन्म दिया, वही नदियाँ राष्ट्रों के बीच तनाव और टकराव का कारण बनती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और जल संसाधनों के अव्यवस्थित दोहन ने पृथ्वी को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहाँ पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की अनेक रिपोर्टें वर्षों से चेतावनी देती रही हैं कि विश्व के अरबों लोग जल संकट का सामना कर रहे हैं। भूमिगत जल स्तर खतरनाक गति से नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ सिकुड़ रही हैं। हिमालय, आल्प्स और अंटार्कटिका के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। वर्षा चक्र अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं भीषण सूखा है तो कहीं विनाशकारी बाढ़। प्रकृति का संतुलन टूट रहा है और उसके साथ ही मानव समाज का संतुलन भी डगमगा रहा है।

दुनिया के अनेक क्षेत्रों में पानी पहले ही संघर्ष का कारण बन चुका है। मध्य पूर्व में जल स्रोतों पर नियंत्रण लंबे समय से सामरिक महत्व रखता है। अफ्रीका में नील नदी को लेकर देशों के बीच बढ़ता तनाव इस बात का संकेत है कि पानी भविष्य की राजनीति का निर्णायक तत्व बनने वाला है। एशिया में भी अनेक अंतरराष्ट्रीय नदियाँ कई देशों से होकर गुजरती हैं। जब एक देश बाँध बनाता है, नदी का प्रवाह मोड़ता है या जल संग्रहण बढ़ाता है, तो उसके प्रभाव सीमाओं के पार तक पहुँचते हैं। परिणामस्वरूप पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास और तनाव बढ़ता है।

हिमालय को एशिया का जल-टावर कहा जाता है क्योंकि यहाँ से निकलने वाली नदियाँ अरबों लोगों को जीवन प्रदान करती हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस पूरे क्षेत्र को संवेदनशील बना दिया है। यदि नदियों के प्रवाह, बाँधों के निर्माण और जल वितरण को लेकर सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, तो भविष्य में जल विवाद किसी भी समय गंभीर राजनीतिक या सैन्य संघर्ष का रूप ले सकते हैं।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि जल संकट केवल राष्ट्रों के बीच नहीं, बल्कि समाजों के भीतर भी विस्फोटक स्थिति पैदा कर रहा है। जब किसी शहर में पानी की आपूर्ति कम होती है, तो सबसे पहले गरीब और वंचित वर्ग प्रभावित होता है। जब किसान की फसल सूखती है, तो उसकी आर्थिक रीढ़ टूट जाती है। जब गाँवों के कुएँ सूखते हैं, तो बड़े पैमाने पर पलायन शुरू होता है। यह पलायन केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का कारण भी बनता है।

दुनिया के अनेक महानगर पहले ही 'डे-जीरो' जैसी स्थितियों का सामना कर चुके हैं, जहाँ यह आशंका उत्पन्न हो गई थी कि शहरों के जलाशय पूरी तरह खाली हो सकते हैं। कल्पना कीजिए उस दिन की, जब करोड़ों लोगों के पास पीने के लिए पर्याप्त पानी न हो। उस दिन लोकतंत्र, विकास, अर्थव्यवस्था और आधुनिकता की चमक सब फीकी पड़ जाएगी। क्योंकि जीवन की मूलभूत आवश्यकता के सामने बाकी सभी उपलब्धियाँ अर्थहीन हो जाती हैं।

जल संकट का सबसे क्रूर पक्ष यह है कि इसका प्रभाव समान नहीं होता। जिनके पास धन है, वे पानी खरीद सकते हैं; जिनके पास संसाधन हैं, वे वैकल्पिक व्यवस्थाएँ कर सकते हैं। लेकिन गरीब समुदायों के लिए पानी का अभाव सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाता है। इस प्रकार जल संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। विडंबना यह है कि जिस पृथ्वी का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढका हुआ है, उसी पृथ्वी पर पीने योग्य मीठा पानी अत्यंत सीमित मात्रा में उपलब्ध है। और उस सीमित संसाधन का भी बड़ा हिस्सा प्रदूषण, अतिक्रमण और दुरुपयोग की भेंट चढ़ रहा है। नदियाँ औद्योगिक अपशिष्ट से दूषित हो रही हैं। भूजल का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है। झीलें और तालाब अतिक्रमण की चपेट में हैं। जल संरक्षण के पारंपरिक मॉडल आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में भुला दिए गए हैं।

आज दुनिया में पानी को लेकर एक नया बाजार भी विकसित हो रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ जल स्रोतों पर नियंत्रण बढ़ा रही हैं। बोतलबंद पानी का उद्योग अरबों डॉलर का व्यापार बन चुका है। कुछ विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यदि जल संसाधनों का निजीकरण अनियंत्रित रूप से बढ़ा, तो भविष्य में पानी भी उसी प्रकार रणनीतिक वस्तु बन सकता है जैसे कभी तेल था। तब जल की उपलब्धता केवल प्राकृतिक अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य पर निर्भर हो सकती है। इस संकट का मनोवैज्ञानिक पक्ष भी कम भयावह नहीं है। जब किसी समाज को यह महसूस होने लगता है कि उसके अस्तित्व के लिए आवश्यक संसाधन समाप्त हो रहे हैं, तो भय, असुरक्षा और संघर्ष की मानसिकता जन्म लेने लगती है। इतिहास बताता है कि संसाधनों की कमी अक्सर हिंसा, अस्थिरता और युद्ध को जन्म देती है। पानी के संदर्भ में यह खतरा और भी बड़ा है क्योंकि इसका कोई विकल्प नहीं है। तेल के स्थान पर अन्य ऊर्जा स्रोत विकसित किए जा सकते हैं, लेकिन पानी का विकल्प आज भी मानवता के पास नहीं है।

भविष्य का युद्ध टैंकों और मिसाइलों से पहले बाँधों, जलाशयों और नदी प्रवाह के नियंत्रण पर लड़ा जा सकता है। कूटनीति के मंचों पर जल संधियाँ सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बन सकती हैं। सैन्य रणनीतियों में जल स्रोतों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बन सकती है। और यदि मानवता ने समय रहते चेतना नहीं दिखाई, तो आने वाली पीढ़ियाँ ऐसे संघर्षों की साक्षी बन सकती हैं जिनकी कल्पना आज केवल चेतावनी के रूप में की जा रही है। लेकिन यह भविष्य अपरिहार्य नहीं है। अभी भी समय है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, नदियों के पुनर्जीवन, भूजल पुनर्भरण, जल प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से इस संकट को कम किया जा सकता है। आवश्यकता केवल तकनीकी समाधानों की नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना की भी है। पानी को संसाधन नहीं, जीवन का आधार मानने की आवश्यकता है।

मानव इतिहास के इस निर्णायक मोड़ पर सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि अगला युद्ध कहाँ होगा, बल्कि यह है कि क्या मानवता उस युद्ध को रोकने की बुद्धिमत्ता रखती है। क्योंकि यदि पानी को लेकर वैश्विक संघर्ष छिड़ता है, तो उसकी कीमत केवल सैनिक नहीं चुकाएँगे। उसकी कीमत किसान चुकाएगा, मजदूर चुकाएगा, बच्चे चुकाएँगे, और वे करोड़ों लोग चुकाएँगे जिनके हाथों में हथियार नहीं, केवल प्यास होगी। दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह पानी को शक्ति का साधन बनाए या जीवन का आधार बनाए रखे। यदि लालच, स्वार्थ और संसाधनों पर वर्चस्व की राजनीति हावी रही, तो आने वाली पीढ़ियाँ इतिहास की पुस्तकों में यह पढ़ेंगी कि मानव सभ्यता ने अंतरिक्ष तक पहुँचने की क्षमता तो विकसित कर ली थी, लेकिन अपने ही ग्रह पर जीवन के सबसे मूल तत्व-पानी-को बचाने की बुद्धिमत्ता खो दी थी। और तब सचमुच अगला युद्ध तेल के लिए नहीं, पानी के लिए होगा; एक ऐसा युद्ध जिसमें विजेता कोई नहीं होगा, क्योंकि प्यास की आग में अंततः पूरी मानवता झुलस जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने गांधी सभागार में जनप्रनिधियों के साथ बारात घरों/अन्त्येष्टि स्थलों का किया लोकार्पण

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीणों से किया संवाद, निर्मित भवनों के सम्बन्ध में की वार्ता

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, जितिन प्रसाद ने विकास योजना के अन्तर्गत 2025-26 में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग पीलीभीत द्वारा स्थानीय सांसद निधि से निर्मित 07 बारात घर एवं 02 अन्त्येष्टि स्थल का बटन दबाकर गांधी सभागार में विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानन्द, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ लोकार्पण किया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों व ग्रामीणों से लाइव होकर बारातघर व अन्त्येष्टि स्थलों के निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी ली और ग्रामीणों से वार्ता की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत पिपरिया अगरू, ग्राम पंचायत कैंच, विकासखण्ड बरखेडा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत बढेरा व परेवा अनूप, विकासखण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत आनन्दपुर उर्फ भगवन्तापुर, विधिपुर व गजरौला खास एवं विकास खण्ड अमरिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत सिमरिया गौसू व कैमोर में निर्मित बारातघरों व अन्त्येष्टि स्थलों की जानकारी प्राप्त करते हुये अन्य सुविधाओं की आवश्यकता के सम्बन्ध में वार्ता कर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सिमरिया गौसू के ग्रामीणों द्वारा अत्येष्टि स्थल पर मिट्टी डलवाने व गांव में सड़क निर्माण की मांग की गई। उन्होंने सिमरिया गौसू के प्रधान को निर्देशित किया कि मिट्टी का कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। कैमोर की ग्रामीणों द्वारा गांव में खेलकूद हेतु खेल मैदान बनावाये जाने की मांग की गई। ग्राम पंचायत भगवन्तापुर के ग्रामीणों द्वारा गांव में अस्पताल व खेल मैदान, ग्राम गजरौला खास के ग्रामीणों द्वारा गांव में अस्पताल, इण्टर कालेज व खेल मैदान एवं ग्राम विधिपुर के ग्रामीणों द्वारा गांव में आरओ व लाइब्रेरी की मांग मंत्री से की। समस्त ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सांसद निधि से कराये गये कार्यों की सराहना की मंत्री को धन्यवाद दिया। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुझे बडी प्रसन्नता है कि जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का प्रयोग किया है, जिसके माध्यम से जिला मुख्यालय से गांव तक सम्पर्क व संवाद किया जा रहा है, इससे समय व धन की बचत होगी।

उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक गांव जाना चाहते थे यह प्रयोग ईंधन की बचत करेगा। उन्होंने कहा कि अगले 05, 10, 20 साल में युवा पीढ़ी विकसित भारत में अपना उज्ज्वल भविष्य देखेगी। ऐसी योजनाऐं व कार्यक्रम संजोय जा रहे हैं जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते, इन 12 वर्ष में मोबाइल से सामान खरीदा/बेच जा रहा है ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया जा रहा हैं। अगर आस्था की बात की जाये अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण व राष्ट्र के गौरव में धारा 370 कश्मीर में हटाई गई जो केन्द्र सरकार के प्रयास से ही सम्भव हो सकी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह 12 वर्ष का सबसे बड़ा कार्यकाल है।

12 वर्ष में विकास कार्य हुए हैं और आगे भी कराये जायेगें, आप सभी का सहयोग अवश्य रहे। उन्होंने कहा कि विश्व भर में अशान्ति, युद्ध आपस में लड रहे है, कहीं सरकारें गिरी रही हैं कहीं सरकारें हटाई जा रही है, परन्तु भारत में स्थिर व मजबूत सरकार है जिससे बड़ी बड़ी चुनौतियों से कुशलता पूर्वक निपटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा पीढी ने बताया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, लाइब्रेरी की जरूरत है इन जरूरतों को पूरा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मैं सभी की तरफ से आश्वस्त करता हूँ कि जनपद पीलीभीत को मॉडल लोक सभा बनाने का कार्य किया जायेगा।उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद को झोपडी मुक्त बनाने हेतु प्रयास किया जा रहा है, सभी का पक्के मकान उपलब्ध कराने का कार्य किया जायेगा। गोमती उद्गम कार्ययोजना लायी जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी व योगी सरकार ने जो भी घोषणाऐं की है उन्हें पूरा करने का कार्य किया है। कार्यक्रम के उपरान्त केन्द्रीय मंत्री द्वारा ग्राम पंचायत वनकटी पहुंचकर चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित चौपाल में उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार की संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी तथा ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया।इस दौरान ब्लाक प्रमुख मरौरी सभ्यता वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक/सीओ सदर नताशा गोयल, जिला विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, उप कृषि निदेशक, अधिशासी अभियन्ता निर्माण विभाग, अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

गढ़वा में कई महीनों से खराब पड़ा हैंडपंप, भीषण गर्मी में प्यासे लौट रहे राहगीर

इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। पूरनपुर गढ़वा स्थित आसाम रोड पर लगा सार्वजनिक हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़ा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों और ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की उम्मीद में लोग हैंडपंप तक पहुंचते हैं, लेकिन खराब होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है।

गढ़वा क्षेत्र आवागमन का प्रमुख केंद्र है। यहां स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में गोरा, रायपुर बिचपुरी सहित आसपास के कई गांवों के लोग प्रतिदिन बैंकिंग कार्यों के लिए आते-जाते हैं।

इसके अलावा क्षेत्र से गुजरने वाले राहगीरों की भी बड़ी संख्या रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है, लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई। भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से जल्द से जल्द हैंडपंप को ठीक कराने की मांग की है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी लोगों की इस मूलभूत समस्या पर कब तक ध्यान देते हैं और खराब पड़े हैंडपंप को चालू कराया जाता है।

ए. डी. डांस एकेडमी का समर कैंप शुरू, बच्चों में दिखा जबरदस्त उत्साह

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत बीसलपुर। नगर की प्रतिष्ठित ए. डी. डांस एकेडमी द्वारा आयोजित समर कैंप 2026 का भव्य शुभारंभ चेयरमैन प्रतिनिधि अमन जायसवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बच्चों, अभिभावकों एवं नगर के गणमान्य लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कैंप के शुभारंभ के साथ ही बच्चों में नई गतिविधियां सीखने को लेकर विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली।

समर कैंप में लगभग 100 बच्चों ने पंजीकरण कर भाग लिया है। एकेडमी द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है। कैंप के दौरान बच्चों को डांस, स्केटिंग, ग्रूमिंग, ताइक्वांडो सहित कई रचनात्मक एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी प्रशिक्षण दिए जाएंगे। प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों की रुचि और क्षमता के अनुसार विशेष मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। मुख्य अतिथि अमन जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे समर कैंप बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़े और उनकी छिपी प्रतिभाओं को नई पहचान मिल सके।

एकेडमी के प्रबंधक सुधीर कुमार ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को अवकाश के दौरान सकारात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि कैंप में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को अनुशासन, आत्मरक्षा, मंच संचालन, व्यक्तित्व विकास तथा विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

इस अवसर पर ताइक्वांडो कोच नासिर ने बच्चों को आत्मरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया। वहीं स्केटिंग एवं ग्रूमिंग प्रशिक्षक अनुराग गंगवार ने बच्चों को नई तकनीकों और कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने एकेडमी द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं। अभिभावकों ने बच्चों के लिए सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराने पर एकेडमी प्रबंधन का आभार भी व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और समर कैंप को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मकता से भरपूर रहा। अंत में एकेडमी प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं प्रतिभागी बच्चों का आभार व्यक्त किया गया तथा समर कैंप 2026 के सफल संचालन का संकल्प लिया गया।

मैजिक अड्डा स्थित हनुमान मंदिर परिसर पूरनपुर में परमपूज्य बाबा नीम करौली महाराज जी का विशाल भंडारा 15 जून को

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत पूरनपुर। जनपद के पूरनपुर क्षेत्र में आगामी 15 जून को एक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। मैजिक अड्डा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में परमपूज्य बाबा नीम करौली महाराज की स्मृति में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक उत्सव को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं और बाबा के भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने इस भव्य कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।आयोजकों से मिली जानकारी के अनुसार यह पावन कार्यक्रम 15 जून दिन सोमवार को आयोजित होगा। भंडारे का शुभारंभ सुबह 11 बजे से किया जाएगा जो बाबा जी की इच्छा तक अनवरत रूप से चलता रहेगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। कार्यक्रम में सुबह से ही विधि विधान से पूजा अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। इसके पश्चात उपस्थित भक्तों के बीच मुख्य प्रसाद का वितरण शुरू होगा। इस विशाल भंडारे में पूरनपुर सहित आसपास के तमाम क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे समय से कार्यक्रम में पहुंचकर बाबा जी का दिव्य प्रसाद ग्रहण करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर पुण्य के भागी बनें। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सेवादारों की अलग अलग टीमें गठित की गई हैं जो व्यवस्था संभालेंगी।

अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित गोष्ठी

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में बाल श्रम पर रोक लगाये जाने हेतु जन-मानस को जागरूक किये जाने के उददेश्य से 'दिनांक 12 जून 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जनपद हापुड मे सयुक्त व्यापार मण्डल जनपद हापुड के अध्यक्षललित अग्रवाल, अन्य पदाधिकारी की गरिमामय उपस्थिति में दिनाक 12 जून 2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे चेम्बर परिसर चण्डी रोड हापुड़ के सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमेंआर०एल० स्वर्णकार, सहायक श्रमायुक्त, हापुड़ द्वारा सभी व्यापारियों / उधोग बन्धुओं सेवायोजको एवं जन सामान्य से अपील है कि अपने-अपने प्रतिष्ठानों में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों / किशोरों को कार्य पर न रखें। कही पर भी 18 वर्ष से कम आयु के बाल / किशोर श्रमिकों को कार्य करते देखे तो उसकी सूचना तत्काल श्रम विभाग को दे, ताकि नियमानुसार कार्यवाही की जा सके।

उक्त गोष्ठी में व्यापार मण्डल के अध्यक्ष व सदस्यो को बाल एव किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 यथा सशोधित 2016 अधिनियम के प्राविधानों की जानकारी दी गयी। जनपद हापुड में बाल एम किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986, यथा सशोधित अधिनियम 2016 के अन्तर्गत अधिनियम का उल्लघंन किये जाने पर निम्न प्रावधान(1क) जो कोई किसी कुमार को धारा उक के उपबंधों के उल्लंघन में नियोजित करता है या काम करने के लिए अनुज्ञात करता है, वह कारावास से, जिसकी अवधि छ माह से कम की नहीं होगी किन्तु जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुमार्ने से, जो बीस हजार रुपए से कम का नहीं होगा, किन्तु जो पचास हजार रुपए तक का हो सकेगा, अथवा दोनों से,(1घ) कोई अधिष्ठाता/ सेवायोजक इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के किन्हीं अन्य उपबन्धों का अनुपालन करने में असफल रहेगा या उनका उल्लंघन करेगा, तो कारावास अवधि एक माह तक की हो सकेगी, या जुमार्ने से, जो दस हजार रुपए तक का हो सकेगा, अथवा दोनों से दण्डित होने का प्राविधान है।

गोष्ठी में उपस्थित सम्मानित सदस्यों द्वारा बाल श्रम पर अंकुश लगाये जाने का संकल्प लिया गया। उक्त गोष्ठी में सयुक्त व्यापार मण्डल जनपद हापुड के अध्यक्ष ललित अग्रवाल, अन्य पदाधिकारी, सुधा तोमर, श्रम प्रवर्तन अधिकारी हापुड एवं अन्य उपस्थित रहे।

नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

1933 अथवा 90508-91508 पर दें नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं, नशा छोडो आगे बढ़ो

वेलकम इंडिया ब्यूरो

करनाल। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार IPS के दिशानिदेर्शों एवं पुलिस उप-महानिरिक्षक राजेंद्र कुमार मीणा IPS के मार्गदर्शन में करनाल में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तरावडी में किया गया। संस्थान के अनुदेशक अनूप भारद्वाज के नेतृत्व में संस्थान के अनुदेशकों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

उच्चाधिकारियों के आदेश से ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा संस्थान में पहुंचे हुए थे। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों बारे विस्तार से समझाकर नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि नशा भावी पीढ़ियों के लिए अभिशाप है। उन्होंने बताया कि नशा मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। यदि नशा अच्छा होता तो सबसे पहले माँ अपने बच्चे को नशा करने के लिए देती। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी या बिक्री से संबंधित कोई भी सूचना मिलने पर NCB नेशनल हेल्पलाइन1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल NCBMANAS.GOV.IN या हरियाणा एनसीबी हेल्पलाइन 90508-91508 टोल-फ्री नंबरों पर दें। सूचना देने वाले का नाम पूर्णतः गुप्त रखा जाएगा। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गई।

महंगाई, बेरोजगारी और पेपर लीक के विरोध में सपा का जोरदार प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा सौंपकर

सनी कुमार केशरवानी

प्रयागराज/करछना(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में बुधवार को करछना तहसील मुख्यालय पर बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, लगातार हो रहे पेपर लीक, गैस सिलेंडर तथा पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों सहित जनसामान्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर विशाल रैली एवं प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के बाद पार्टी नेताओं ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) करछना को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पप्पू लाल निषाद के नेतृत्व एवं वरिष्ठ नेता इंजीनियर दिवाकर प्रसाद द्विवेदी की उपस्थिति में सैकड़ों कार्यकताओं ने रैली निकालकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। रैली के दौरान कार्यकताओं ने महंगाई, बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर जमकर नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए इंजीनियर दिवाकर प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता का जीवन कठिन बना दिया है। वहीं बेरोजगारी और बार-बार हो रहे पेपर लीक से युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार रोजगार सृजन और परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि यदि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष को और तेज करेगी।

राज्यमंत्री की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत निसावां निसैईयां में ग्राम रात्रि चौपाल का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग, उ0प्र0 संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में विकासखण्ड अमरिया क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत निसावां निसैईयां में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और सरकार की योजनाओं को धरातल पर परखने के उद्देश्य से कल देर रात ग्राम रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित चौपाल में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के गौरवमयी 12 वर्ष (सेवा, सुशासन और सम्मान) पूरे होने के उपलक्ष्य में सरकार आपके द्वार अभियान चलाया जा रहा है। आयोजित चौपाल के दौरान राज्यमंत्री ने सीधे ग्रामीणों से संवाद किया और गॉव के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनता की समस्याओं को सुना। उन्होंने अपने सम्बोधन में विशेष रूप से सड़कों के चौड़ीकरण, पुलिया निर्माण और विभिन्न सम्पर्क मार्गों की सुदृढ़ स्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सबका साथ सबका विकास के आधार पर कार्य कर रही है। सरकार हर गांव और मजरे तक विकास कार्य कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों को सुलभ न्याय और त्वरित कार्य प्रणाली का भरोसा देते हुये अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण करने के निर्देश दिए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जनपद/क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और निसावां निसैईयां सहित जनपद व ब्लॉक के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दौरान मंत्री द्वारा लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड वितरित किए गए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, किसान सम्मान निधि योजना, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना, पेंशन योजनाओं सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं वह अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जनसेवा केन्द्र के माध्यम से अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चौपाल का मुख्य उद्देश्य अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुंचाना है और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है।

साहित्य, संवेदना और सृजन के शिखर पुरुष: डॉ. बी. एल. गौड़

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। जब कोई व्यक्तित्व अपने कर्म, चिंतन और सृजन से अनेक क्षेत्रों में अमिट छाप छोड़ता है, तब वह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था बन जाता है। ऐसे ही बहुआयामी, सहज, शालीन और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के धनी हैं प्रसिद्ध उद्योगपति, वरिष्ठ साहित्यकार, गीतकार एवं समाजसेवी आदरणीय डॉ. बी. एल. गौड़ (बनवारी लाल गौड़), जिनका जीवन साहित्य, संस्कृति, उद्योग और मानवीय मूल्यों का अनुपम संगम है।

12 जून 1936 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जन्मे डॉ. बी. एल. गौड़ ने अपने अद्भुत व्यक्तित्व और अथक परिश्रम के बल पर जिस ऊँचाई को प्राप्त किया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भारत सरकार के उत्तर रेलवे में 31 वर्ष सेवा देने के बाद सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले कर पूर्णः साहित्य एवं समाजसेवा के लिए समर्पित हो गए। डॉ. गौड़ ने साहित्य और समाज के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता के कारण समानांतर रूप से एक विशिष्ट साहित्यिक यात्रा भी तय की।हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय है। उनके कविता-संग्रह 'थोड़ी सी रोशनी', 'आखिर कब तक', 'कब पानी में डूबा सूरज' और 'जाती हुई धूप', 'भविष्य की अयोध्या', 'भविष्य की योद्धा' पाठकों के हृदय में संवेदनाओं का उजास भरते हैं। उनकी कविताएँ केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि जीवन, समाज और मानवीय मूल्यों का गहन दर्शन प्रस्तुत करती हैं। उनका कहानी-संग्रह 'मीठी ईद' सामाजिक समरसता और मानवीय रिश्तों की मधुरता का संदेश देता है, वहीं मीडिया और लोकतंत्र पर आधारित उनकी पुस्तक 'लोकतंत्र में खोया लोकतंत्र' समकालीन व्यवस्था पर गंभीर चिंतन का दस्तावेज है।

डॉ. बी. एल. गौड़ की एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी विषय को हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति प्रदान करते हुए 'नींव से नाली तक' जैसी महत्त्वपूर्ण 24 से अधिक पुस्तको का सृजन किया। 20 से अधिक देशों की साहित्यिक यात्रा कर चुके है। इस क्षेत्र में हिंदी में लेखन करने वाले अग्रणी साहित्यकारों में उनका नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह उनकी विनम्रता, सहजता और मानवीय संवेदनाएँ सदैव उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बनी रहीं।

डॉ. गौड की साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भूमिका के फलस्वरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की हिंदी मातृभाषा के प्रति गहरे अनुराग और समर्पण का परिचायक है।

व्यावसायिक क्षेत्र में भी उन्होंने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कंपनी गौड़सन्स इंडिया के चेयरमैन के रूप में उन्होंने उद्योग जगत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। किंतु सफलता के शिखर पर पहुँचने के बावजूद उनकी सादगी, एवं साहित्य रत्न,साहित्य भूषण,विद्यासागर,लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान सहित अनेक राष्ट्रीय ओर अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। 2005 से वे 'द गॉड्स टाइम्स' हिंदी ओर अंग्रेजी पाक्षिक पत्र का सफल प्रकाशन भी कर रहे है।

जीवन के 90 बसंत पूर्ण कर चुके डॉ. गौड ने भारत सरकार के प्रसार भारती द्वारा 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस पर विश्व के सबसे बड़े सर्वभाषा सम्मेलन 2026 के 17वें संस्करण में हिंदी भाषा के कवि के रूप में प्रतिभा किया इस कार्यक्रम में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं के देश भर के प्रतिनिधियों के साथ प्रतिभाग किया । वास्तव में डॉ. बी. एल. गौड़ का व्यक्तित्व इस बात का प्रमाण है कि उद्योग और साहित्य एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि आर्थिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक चेतना का संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. गौड के जन्मदिवस के पावन अवसर पर संपूर्ण साहित्यिक एवं सामाजिक जगत उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करता है तथा ईश्वर से प्रार्थना करता है कि वे स्वस्थ, प्रसन्न और दीर्घायु रहें तथा अपनी लेखनी और विचारों से समाज को निरंतर नई दिशा प्रदान करते रहें।

राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तत्काल बहाल करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कार्यकताओं ने रायपुर स्थित उत्तराखंड राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन कर राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तत्काल बहाल करने की मांग उठाई।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाकर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास लोकतंत्र पर सीधा हमला है। धरने में युवा कांग्रेस नेता विनीत प्रसाद भट्ट (बंटू), रॉबिन त्यागी, पार्षद रोबिन त्यागी, सरिता बिष्ट, गुलशेर मियां, विजय गुप्ता, तुषार पाल, रिपु दमन, सुमित देवरानी, शुभम चौहान, अभिनय बिष्ट, स्वर्णिम कंडारी, आदित्य रौथान, मिथलेश उपाध्याय, सिद्धार्थ अग्रवाल, अतुल सक्सेना, अभिषेक पासी, नितिन नेगी, मयंक रावत, सौरभ सेमवाल, यश नेगी, रक्षित नेगी सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूकेएसएसएससी स्नातक स्तरीय परीक्षा की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी ने ली बैठक

परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। जनपद के 10 केंद्रों पर आयोजित होने वाली उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।परीक्षा में3026 अभ्यर्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का भली-भांति अध्ययन करने तथा उनका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों एवं जैमर की कार्यशीलता की जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यूपीसीएल को परीक्षा अवधि के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जल संस्थान को पेयजल व्यवस्था तथा स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक मेडिकल टीम एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा तिथि पर निर्धारित समय से पूर्व अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जनपद में परीक्षा के लिए कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 3026 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस दौरान आयोग के प्रतिनिधि राहुल नेगी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

देहरादून पहुंची राष्ट्रपति

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के देवभूमि उत्तराखण्ड आगमन पर जॉलीग्रांट एयरपोर्ट में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

बॉक्सिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन आयोजित हुए सेमी फाइनल मुकाबलो में मुक्केबाजों नें किया शानदार प्रदर्शन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही चार दिवसीय प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन आयोजित हुए सेमी फाइनल मुकाबलो में मुक्केबाजों नें अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, खेल भवन लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, सहारनपुर द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 मण्डलों से आए 151 मुक्केबाज प्रतिभाग कर रहे है। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में तीसरे दिन मुख्य अतिथि सुषमा बजाज, फाउण्डर बजाज ग्रुप ऑफ इन्सटीयूसन्स एवं अन्नु बजाज को राहुल चोपड़ा क्रीड़ाधिकारी सहारनपुर मण्डल ने बुके भेंट कर हार्दिक स्वागत किया तथा रितु देवी, सचिव जिला बाक्सिग संघ सहारनपुर ने पटका पहनाकर हार्दिक स्वागत किया। मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी खिलाड़ियों को सम्बोधित कर उत्साहवर्धन किया गया। क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा ने बताया कि प्रतियोगिता के तीसरे दिन पहला सेमीफाइनल मुकाबला मुरादाबाद के दित्याराज ने वाराणसी के आदित्य गुप्ता को 4-1 अंक से हराया। दूसरा सेमीफाइनल मेरठ के लक्की ने लखनऊ के हैदर उल्लाह कुरैशी को 3-2 से हराया। तीसरा मुकाबल मेरठ के राहुल ने वाराणसी के अंश कुमार 3-2 से हराया। चौथा मुकाबला कानपुर के मुसीब ने मेरठ के सन्नी यादव को 5-0 से हराया। पांचवा मुकाबल लखनऊ के उज्लवल ने आगरा के समीर को 5-0 से हराया। छठा मुकाबला प्रयागराज के अमन ने मुरादाबाद के लोकेन्द्र सिंह को 5-0 से हराया। सातवां मुकाबला मेरठ के गोपाल ने वाराणसी के अकांश पाण्डेय को 5-0 से हराया। आठवां मुकाबला में आगरा के श्रीकांत धनगर ने लखनऊ के अम्बीस सिंह पाल को 5-0 से हराया। नवां मुकाबला सहारनपुर के पुनीत ने बरेली के जय गंगवार को 3-2 से हराया। दसवां मुकाबला गोरखपुर के अमित कुमार ने आगरा के अर्पित कुमार को 3-0 से हराया। ग्यारवां मुकाबला प्रयागराज के आयुष कुमार कार्तिक ने वाराणसी के रूद्रा सिंह को 4-1 से हराया। बारहवे मुकाबले में आगरा के आदित्य धाकरे ने कानपुर के अनिकेत को 5-0 से हराया। प्रतियोगिता मे युवराज, सोमप्रकाश शर्मा, पवन कुमार, संजय गुप्ता मनीष हजारिया, रॉबिन सिंह, आशीष राय, शरद चंद्र, उदित शर्मा, अकीब, नाजिम, विश्वजीत के द्वारा निर्णायक की भूमिका निभाई गई। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा, सहायक प्रशिक्षक प्रवीन कुमार, जिला बॉक्सिंग संघ सहारनपुर की सचिव रितु देवी, लाल धर्मेन्द्र प्रताप, जयेन्द्र, आदेश, सन्नी, प्रीति, प्रियंका, रूपेश, सुप्रिया, कनिष्ठ सहायक पुष्पपाल सिंह चौहान, शिवनंदन, तबरेज अहमद, अंकुश प्रजापति, आशीष कुमार आदि का सहयोग रहा।

गौ संरक्षण और मतदाता जागरूकता पर बोले शंकराचार्य, शुरू हुआ 'एक नोट अभियान'

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। शुक्रवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ संरक्षण और मतदाता जागरूकता को लेकर लोगों को संबोधित किया।

श्री राधा कृष्ण कृपा धाम आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में हिंदूवादी कार्यकताओं और गौ-रक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में शंकराचार्य ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार हैं तथा उनके संरक्षण के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान करते समय लोगों को गंभीरता से विचार करना चाहिए, क्योंकि उनका वोट गौ संरक्षण के पक्ष या विपक्ष में खड़े लोगों को चुनने का माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रा के माध्यम से वे मतदाताओं से संवाद कर रहे हैं और लोगों से ऐसे उम्मीदवारों व दलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं जो गौ संरक्षण के लिए कार्य करते हों। कार्यक्रम के दौरान गौ माता के संरक्षण के लिए 'एक नोट अभियान' का शुभारंभ भी किया गया। इस अभियान के लिए धीरज कौशिक को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अधिकमास मेले के अंतिम चरण में भाजपा नेत्री समाजसेवी पूनम चौधरी एडवोकेट ने तलहटी ने किया प्रसाद वितरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गिरिराज तलहटी गोवर्धन में चल रहे अधिकमास मेले के अंतिम पड़ाव पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है।देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में भक्त गिरिराज महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा करने के लिए पहुंच रहे हैं।भोर से ही गिरिराज महाराज के जयकरो के साथ श्रद्धालु मंदिरों में पूजा अर्चना कर इक्कीस किलोमीटर लंबी परिक्रमा कर रहे हैं।

अधिकमास के पुण्य अवसर पर परिक्रमा मार्ग में जगह जगह समाजसेवियों और धार्मिक संगठनों द्वारा जल प्याऊ शरबत फल वितरण और भंडारे के आयोजन किए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सेवा में हर कोई अपना योगदान दे रहा है। समाजसेवी एवं भाजपा नेत्री एडवोकेट पूनम चौधरी द्वारा गोवर्धन तलहटी के आन्यौर परिक्रमा मार्ग में स्थित प्रसिद्ध रामानंद आश्रम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पूनम चौधरी ने स्वयं अपने हाथों से परिक्रमा कर रहे हजारों श्रद्धालु भक्तों को गर्म गर्म पूड़ी आलू की सब्जी का प्रसाद वितरित किया।

भंडारे में दूर दराज से आए बुजुर्ग महिलाएं और बच्चे सभी बड़े ही भाव और श्रद्धा के साथ प्रसाद लेते हुए नजर आए।तो वही प्रसाद पाकर श्रद्धालुओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पूनम चौधरी को आशीर्वाद दिया।

इस मौके पर एडवोकेट पूनम चौधरी ने कहा कि गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने वाले हर भक्त में मुझे साक्षात भगवान के दर्शन होते हैं।

नर सेवा ही नारायण सेवा है। अधिकमास में की गई सेवा का कई गुना फल मिलता है। मेरा सौभाग्य है कि ठाकुर जी ने मुझे अपने भक्तों की सेवा का अवसर दिया। भंडारे के सफल आयोजन में रामानंद आश्रम के संत महात्माओं का भी विशेष सहयोग रहा।

खान अधिकारी सुभाष सिंह का तबादला, अर्जुन कुमार बने नए खान अधिकारी

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश शासन के भूतत्व एवं खनिकर्म अनुभाग-1 द्वारा जारी आदेश के तहत सहारनपुर के चर्चित खान अधिकारी सुभाष सिंह का स्थानांतरण कर उन्हें कानपुर देहात भेज दिया गया है। वहीं कानपुर देहात में तैनात अर्जुन कुमार को सहारनपुर का नया खान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शासन द्वारा जारी आदेश में दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार किसी भी अधिकारी को प्रतिस्थानी के आने की प्रतीक्षा किए बिना पदभार संभालना होगा तथा कार्यभार ग्रहण करने की सूचना शासन एवं निदेशालय को उपलब्ध करानी होगी।

शासन ने स्पष्ट किया है कि कार्यभार ग्रहण करने में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब को अनुशासनहीनता माना जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सुभाष सिंह का कार्यकाल सहारनपुर में खनन गतिविधियों और उनसे जुड़े मामलों को लेकर लगातार चर्चा में रहा। अब अर्जुन कुमार के नए खान अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद जिले में खनन विभाग की कार्यप्रणाली पर सभी की निगाहें रहेंगी।

मुख्यमंत्री धामी ने जसपाल राणा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

देहरादून(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पद्मश्री से सम्मानित एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निशानेबाज जसपाल राणा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल राणा ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा, कठिन परिश्रम और उल्लेखनीय उपलब्धियों से न केवल उत्तराखण्ड, बल्कि पूरे देश का नाम वैश्विक पटल पर गौरवान्वित किया। निशानेबाजी के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने अनेक युवा खिलाड़ियों को प्रेरित कर खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल राणा का निधन खेल जगत, उत्तराखण्ड तथा राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

आईआईए की कार्यशाला में जीएसटी और एमएसएमई की जटिलताओं पर हुआ सीधा संवाद, अधिकारियों ने दिए जवाब

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के सहारनपुर चौप्टर द्वारा उद्यमियों के ज्ञानवर्धन और समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष जीएसटी एवं एमएसएमई संवाद जागरूक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिल्ली रोड स्थित होटल दि ओएसिस में आयोजित इस कार्यशाला में जीएसटी विभाग, उद्योग विभाग और बैंकिंग क्षेत्र के उच्चाधिकारियों ने शिरकत कर उद्यमियों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यशाला की अध्यक्षता आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक चैप्टर चेयरमैन प्रमोद सड़ाना ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत में आईआईए के वरिष्ठ पदाधिकारियों वरिष्ठ उपाध्यक्ष परविन्दर सिंह, चौप्टर सचिव कुशल शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा, सीईसी सदस्य कृष्ण राजीव सिंघल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के. धवन और राष्ट्रीय सचिव संजय बजाजकृने संयुक्त रूप से मुख्य अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर और पौधे भेंटकर स्वागत किया। अतिथियों में जीएसटी विभाग के संयुक्त आयुक्त अमित पाठक, डिप्टी कमिश्नर राजीव सिंह, अखिलेश मिश्रा, राकेश कुमार राय, भारत भूषण, परितोष मिश्रा, जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के सहायक आयुक्त उद्योग प्रमोद कुमार व अनुज लावणिया और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से अभिषेक भदौरिया शामिल रहे।

आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सड़ाना ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज का युग नॉलेज इकोनॉमी का युग है। जो उद्यमी समय के साथ नियमों को समझता है और नई व्यवस्थाओं को अपनाता है, वही आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला मात्र एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उद्योग और प्रशासन के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने का एक सार्थक प्रयास है। मेक इन इंडिया और विकसित भारत-2047 जैसे राष्ट्रीय संकल्पों को पूरा करने में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

जीएसटी लागू होने से व्यापार में पारदर्शिता आई है और जब सरकार व उद्योग मिलकर काम करते हैं, तभी निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशिष्ट अतिथि और जीएसटी विभाग के संयुक्त आयुक्त अमित पाठक ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना उनके विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कार्यक्रम का कुशल संचालन चैप्टर सचिव कुशल शर्मा ने किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि आईआईए सहारनपुर चैप्टर भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि स्थानीय उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सके और विभागों के साथ बेहतर समन्वय बना रहे।

आईएमए उत्तर प्रदेश स्टेट वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक का आयोजन सहारनपुर में किया जायेगा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) सहारनपुर द्वारा 14 जून को आईएमए उत्तर प्रदेश स्टेट वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक का आयोजन सहारनपुर में किया जा रहा है।

इस बैठक में प्रदेशभर से आईएमए के वरिष्ठ पदाधिकारी, स्टेट प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी एवं पूरे प्रदेश से अन्य गणमान्य सदस्य सहारनपुर पधारेंगे। इस कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन एवं प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण शर्मा हैं, जबकि ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मंदीप सिंह कलीम अहमद एवं डॉ. डी.के. गुप्ता हैं। बैठक के संचालन की जिम्मेदारी डॉ. नीरज आर्या एवं डॉ. रेनू शर्मा निभाएंगे। वहीं कोषाध्यक्ष (ट्रेजरर) के रूप में डॉ. अनुपम मलिक संपूर्ण वित्तीय व्यवस्था एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम के को-स्पॉन्सर डॉ. , डॉ विकाश अग्रवाल भी है,जिन्होंने इसमें महत्वपूर्ण सहयोग दिया है इस कार्यकारिणी के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन एवं आईएमए सहारनपुर के प्रेजिडेंट डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि यह हम सभी के लिए अत्यंत सौभाग्य एवं गर्व का विषय है कि आईएमए उत्तर प्रदेश स्टेट वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सहारनपुर में आयोजित होने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल आईएमए सहारनपुर ही नहीं, बल्कि पूरे सहारनपुर जनपद के लिए सम्मान एवं गौरव का अवसर है।

डॉ. कलीम अहमद ने बताया कि लगभग 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद यह स्टेट वर्किंग कमेटी की बैठक सहारनपुर में आयोजित हो रही है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से वरिष्ठ चिकित्सकों एवं पदाधिकारियों का सहारनपुर आगमन यहां के चिकित्सकों के लिए प्रेरणादायक एवं सम्मानजनक अवसर होगा।

डॉ. मनदीप सिंह ने बताया कि यह आयोजन सहारनपुर के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। इस प्रकार की कार्यकारिणी बैठकों में स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा नीतियों एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाती है।

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर निर्णय लिए जाते हैं तथा जनसामान्य के हित में विभिन्न सुझाव एवं अनुशंसाएँ सरकार को भेजी जाती हैं। इन बैठकों में यह भी विचार-विमर्श किया जाता है कि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ किस प्रकार उपलब्ध कराई जाएँ तथा स्वास्थ्य नीतियों में किन सुधारों की आवश्यकता है। आईएमए द्वारा तैयार की गई अनेक अनुशंसाओं को सरकार द्वारा स्वीकार कर लागू भी किया जाता है।

यह आयोजन न केवल आईएमए सहारनपुर बल्कि पूरे जनपद के लिए सम्मान एवं गौरव का विषय है कि प्रदेशभर के वरिष्ठ चिकित्सक एवं पदाधिकारी सहारनपुर में एकत्रित होकर स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर मंथन करेंगे।

विधायक के हस्तक्षेप के बाद तहसीलदार ने रिपोर्ट तलब की, अवैध अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर!

धन दयाल पांडेय

कुशीनगर(वेलकम इंडिया)। कुशीनगर के तमकुहीराज तहसील अंतर्गत डुमरिया मठ में कब्रिस्तान के भूमि विवाद को लेकर प्रशासन ने अब सक्रियता बढ़ा दी है। इस मामले का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

विवाद का कारण: डुमरिया मठ की भूमि पर आवश्यकता से अधिक क्षेत्र में कब्रिस्तान के निर्माण को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है।

हस्तक्षेप: मठ के महंथ रूद्रानंद गिरी ने स्थानीय विधायक डॉ. असीम कुमार राय से मिलकर इस अवैध कब्जे को हटाने की गुहार लगाई थी।

प्रशासनिक संज्ञान: विधायक द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर तहसीलदार तमकुहीराज, महेश कुमार से बात की गई। इसके बाद तहसीलदार ने अपने मातहतों को तत्काल प्रभाव से रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासनिक रुख: तहसीलदार महेश कुमार का स्पष्ट कहना है कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि सरकारी या मठ की भूमि से अवैध कब्जे को हटाया जाए। इसी नीति के तहत अब आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इस मामले में अब सबकी निगाहें तहसील प्रशासन द्वारा तैयार की जाने वाली रिपोर्ट और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बिहार के युवा साहित्यकार रूपेश कुमार को मिला 'मानसरोवर काव्य गौरव सम्मान-2026'

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सीवान(बिहार)। सीवान जिले के चैनपुर गाँव निवासी युवा साहित्यकार रूपेश कुमार को साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'मानसरोवर काव्य गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मानसरोवर साहित्य अकादमी, राजस्थान द्वारा आयोजित चतुर्थ वार्षिकोत्सव समारोह में प्रदान किया गया। 24 मई 2026 को आयोजित इस राष्ट्रीय साहित्यिक समारोह का संयोजन अकादमी के संस्थापक एवं प्रबंधक मानसिंह सुधार के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े साहित्यकारों, कवियों एवं रचनाकारों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। रूपेश कुमार साहित्य, शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्हें अब तक 301 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनमें विश्व भूषण सम्मान, कबीर कोहिनूर सम्मान, भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान, एकलव्यम् शिक्षक सम्मान, डॉ. भीमराव अंबेडकर कीर्ति सम्मान, भारती भूषण सम्मान, भारत गौरव सम्मान, मातृभाषा रत्न सम्मान तथा निहारिका गौरव सम्मान प्रमुख हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा उन्हें मानद डॉक्टरेट उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है। भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी होने के बावजूद रूपेश कुमार ने साहित्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उनके पाँच एकल काव्य-संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, जबकि उनकी छठी पुस्तक 'रूप का सफर' शीघ्र प्रकाशनाधीन है। इसके अतिरिक्त उनके संपादन में पाँच साहित्यिक संकलन भी प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी रचनाएँ देश-विदेश की अनेक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित होती रही हैं। इस सम्मान की प्राप्ति पर चैनपुर सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने रूपेश कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि क्षेत्र के युवा रचनाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरी है। यह संस्करण समाचार-पत्र, साहित्यिक पत्रिका तथा वेब पोर्टल में प्रकाशन के लिए उपयुक्त है।

अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव जसाला बस स्टैंड के निकट एक अज्ञात व्यक्ति सड़क पार कर रहा था, तभी शामली की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया।दूसरी और गांव भारसी के निकट गांव जसाला निवासी संजना पत्नी राधेश्याम बागपत से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे संजना गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस मामले की जांच कर अज्ञात वाहन चालकों की तलाश में जुटी है।

बुलंद हौसलों की मिसाल बनीं बुशरा अंजुम, 29 जून को महामहिम राज्यपाल करेंगी सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जब लगन, मेहनत और मजबूत इरादे एक साथ हों तो कामयाबी खुद-ब-खुद कदम चूमती है। इसी का जीता-जागता उदाहरण पेश किया है ए.आर.सी. पी.जी. कॉलेज, मुंडाडीहा बेग की एम ए उर्दू की मेधावी छात्रा बुशरा अंजुम, पुत्री अब्दुल मन्नान, ने। अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए उन्हें 29 जून को महामहिम राज्यपाल महोदया के दस्त-ए-मुबारक से सम्मानित किया जाएगा।

बुशरा अंजुम की इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र और शिक्षण जगत को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता आज उन तमाम छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को साकार करने का जज्बा रखते हैं।

अपनी खुशी साझा करते हुए बुशरा अंजुम ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए किसी बड़े सपने के पूरे होने जैसा है।

उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि उनकी दुआओं और मार्गदर्शन ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और देश की सेवा के लिए निरंतर प्रयास करती रहेंगी। भाई रिजवान खान ने कहा कि बुशरा की यह कामयाबी पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

उन्होंने युवाओं से भी शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाने की अपील की। बुशरा अंजुम की इस शानदार उपलब्धि पर ए.आर.सी. पी.जी. कॉलेज के प्रबंधक शमशेर अहमद, मोहम्मद हनीफ गर्ल्स इंटर कॉलेज के प्रबंधक मसीहुद्दीन, एजाज मुनीर सपा नेता मोहम्मद अहमद,डॉक्टर रेहान खान, एनआईसी प्रधानाचार्य मोजीबुल्लाह, एजाज अहमद नदवी, फुजैल अहमद नदवी, शोऐब अहमद नदवी,जफीर अली करखी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गंगेरू में अवैध आरा मशीनों पर उठे सवाल, हरे पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को खतरा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के गांव गंगेरू में अवैध रूप से आरा मशीनों के संचालन और हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में आम, शीशम समेत अन्य फलदार और छायादार पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई कर लकड़ी की चिराई की जा रही है, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरियाली बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अवैध कटान इन प्रयासों को नुकसान पहुंचा रहा है। आरोप है कि गंगेरू क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों पर बिना किसी रोक-टोक के लकड़ियों की चिराई की जा रही है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अवैध रूप से संचालित आरा मशीनों को तत्काल सील करने की मांग उठाई है। मामले में वन विभाग के दरोगा सोनू कुमार का कहना है कि क्षेत्र में मशीनों को बंद करा दिया गया है। यदि इसके बावजूद कोई आरा मशीन संचालित करता पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सकारात्मक साहित्य सृजन से ही होगा सशक्त राष्ट्र का निमार्ण: डॉ. शंभु पंवार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। वर्तमान समय में जब सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, ऐसे दौर में साहित्यकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। साहित्य केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है।

यह विचार वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक एवं साहित्यकार डॉ. शंभु पंवार ने व्यक्त किए। वे राजधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीतांजलि काव्य प्रसार मंच की नोएडा इकाई द्वारा आयोजित आभासी काव्य गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे।डॉ. पंवार ने कहा कि एक जागरूक कवि और साहित्यकार का दायित्व राष्ट्रीय हितों के अनुरूप साहित्य सृजन करना है।

उनकी लेखनी में सकारात्मक सोच, मानवीय संवेदनाएं और समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के नवनिर्माण में साहित्यकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी रचनाएं समाज में नई चेतना, नव प्रवाह और सकारात्मक दृष्टि का संचार करती हैं।

गोष्ठी की मुख्य अतिथि गीतांजलि काव्य प्रसार मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष,प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा 'गीत' ने कहा कि मां शारदे ने साहित्यकारों की कलम को असीम शक्ति प्रदान की है।

लेखकों को ऐसी रचनाओं का सृजन करना चाहिए, जिनसे समाज में प्रेम, सद्भाव, राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता का विस्तार हो। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. पुष्पा जोशी ने कहा कि साहित्यकारों की रचनाएं सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की आधारशिला हैं तथा एक बेहतर समाज के निर्माण में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। गोष्ठी का शुभारंभ इकाई उपाध्यक्ष अर्चना सिंह द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ।

सचिव अपर्णा गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अध्यक्ष रश्मि भटनागर ने अतिथियों का परिचय कराया। विशिष्ट अतिथि दोहाकार डॉ. मनोज कामदेव, व्यंग्यकार महेंद्र भट्ट और संध्या सेठ ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अपर्णा गर्ग के प्रभावी एवं सजीव संचालन में आयोजित काव्य गोष्ठी में डॉ. पुष्पा जोशी, डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा, महेंद्र भट्ट, डॉ. मनोज कामदेव, संध्या सेठ, रश्मि भटनागर, अर्चना सिंह, निशा सक्सेना, अर्चना शर्मा, सुकृति श्रीवास्तव, स्वाति पूजा, अपर्णा भटनागर, प्रियंका तिवारी 'वाणी', स्नेहलता पाण्डेय सहित अनेक रचनाकारों ने अपनी उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गीतांजलि नीरज अरोड़ा ने कार्यक्रम संयोजिका एवं नोएडा इकाई की अध्यक्ष रश्मि भटनागर, उपाध्यक्ष अर्चना सिंह तथा सचिव अपर्णा गर्ग को 'गीतांजलि काव्य साधना सम्मान' से सम्मानित किया। अंत में रश्मि भटनागर ने सभी अतिथियों, रचनाकारों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जलभराव से परेशान लोगों ने पालिका से लगाई गुहार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला खेल वार्ड नंबर-17 में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से समाधान की मांग की है। शुक्रवार को मोहल्ले के निवासियों ने पालिका अध्यक्ष व संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपकर जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की।मोहल्ला खेल निवासी जमील अब्बासी ने बताया कि उनके मोहल्ले में काफी समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सभासद व पालिका कर्मचारियों द्वारा समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जलभराव के कारण मोहल्ले के लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे आने-जाने में दिक्कत हो रही है। साथ ही गंदे पानी में मच्छरों के पनपने और जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने का भी खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों में भय का माहौल है। मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से जल्द समस्या का स्थायी समाधान कर जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

पटाखा फैक्ट्री में चोरी की सूचना निकली झूठी, पांच लोगों का चालान

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के मलकपुर मार्ग स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में दिनदहाड़े चोरी की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की। जांच में चोरी की सूचना झूठी पाए जाने पर पुलिस ने पांचों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका चालान कर दिया शुक्रवार को कस्बा निवासी रिजवान ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि मलकपुर मार्ग स्थित उसकी पटाखा फैक्ट्री से कुछ लोग सामान चोरी कर ले जा रहे हैं।

दिनदहाड़े चोरी की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल की। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस कस्बा निवासी इरफान के नाम पर है। रिजवान और इरफान दोनों साझेदारी में फैक्ट्री का संचालन कर रहे थे। कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते फैक्ट्री से अपना सामान उठाया जा रहा था। मौके पर मौजूद रिजवान, अशरफ, अबूजर, इरफान और फरमान को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान पांचों लोग पुलिस के सामने आपस में विवाद करने लगे। इसके बाद पुलिस ने झूठी सूचना देने और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया। थाना प्रभारी निरक्षर सतीश कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति ने पुलिस को चोरी की झूठी सूचना दी थी पुलिस को गुमराह करने पर पांच लोगों का चालान किया गया है।

नगर पालिका बोर्ड बैठक में 44 करोड़ 68 लाख के विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर

टैक्स व्यवस्था व किराया वृद्धि का सभासदों ने किया विरोध, कई वार्डों में विकास न होने पर जताई नाराजगी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका परिषद में आयोजित बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से 44 करोड़ 68 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक के दौरान कई सभासदों ने नगर में लागू की गई टैक्स व्यवस्था और पालिका की दुकानों के बढ़े हुए किराए का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग उठाई। वहीं कई सभासदों ने अपने-अपने वार्डों में पिछले चार वर्षों से विकास कार्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की। शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम व अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में नगर के विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान सभासद जुनैद मुखिया ने कहा कि नगरवासियों पर टैक्स व्यवस्था का अतिरिक्त बोझ डाला गया है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। साथ ही पालिका की दुकानों के व्यापारियों पर बढ़ाए गए किराए में कमी की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में कई वर्षों से कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है।

सभासद फारूक अंसारी ने कहा कि वह प्रत्येक बोर्ड बैठक में विकास कार्यों को लेकर शिकायती पत्र देते आ रहे हैं, लेकिन उनके पत्रों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके अलावा अन्य वार्डों के सभासदों ने भी अपने क्षेत्रों की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं।बैठक के दौरान कुछ सभासदों ने आरोप लगाया कि अधिशासी अधिकारी बीच बैठक से अपनी कुर्सी छोड़कर चली गईं, जिसको लेकर सभासदों में नाराजगी दिखाई।

वहीं नगर पालिका परिसर में जलभराव की समस्या के चलते बोर्ड बैठक निर्धारित समय से कई घंटों देरी से शुरू हुई। सभासदों और कर्मचारियों को जलभराव से होकर बैठक स्थल तक पहुंचना पड़ा।सभासद जावेद खान ने सभी सभासदों से आपसी मतभेद भुलाकर नगर के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।नामित सभासदों ने अपने आवास के बाहर बोर्ड लगवाने की मांग की।नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि टैक्स व्यवस्था संबंधी आदेश शासन स्तर से जारी किए गए हैं और उनके द्वारा इस संबंध में कोई नया प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नगरवासियों की समस्याओं को देखते हुए कई संशोधन किए गए हैं तथा टैक्स में राहत देने का प्रयास किया गया है।

डीएम ने ग्राम चौपाल में सुनीं समस्याएं, बिस्कोहर के 365 मंदिरों-कुओं के जीर्णोद्धार की योजना का किया निरीक्षण

असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। विकास खंड भनवापुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत नावडीह में शुक्रवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता में 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' कार्यक्रम के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह तथा उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों ने आवास, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं रखीं, जिस पर जिलाधिकारी ने बीडीओ भनवापुर विनोद मणि त्रिपाठी को पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से फार्मर रजिस्ट्रेशन कराने की अपील करते हुए कहा कि इससे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। ग्रामीणों ने गांव के पश्चिमी हिस्से में स्थित बंद पड़े नाले की सफाई की मांग भी उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को शीघ्र सफाई कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। चौपाल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। चौपाल के बाद जिलाधिकारी ने नगर पंचायत बिस्कोहर पहुंचकर ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के 365 मंदिरों एवं कुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इन धरोहरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के लिए पुरातत्व विभाग की सर्वे रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है तथा पर्यटन विभाग के माध्यम से इनके पुनरुद्धार की कार्ययोजना प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी अखिलेश कुमार दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी रिकॉर्ड में 'जीवित' बुजुर्ग को घोषित किया 'मृत', पेंशन बंद होने से आर्थिक संकट

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ सरकारी सिस्टम की लापरवाही के कारण एक जीवित बुजुर्ग को सरकारी दस्तावेजों में 'मृत' घोषित कर दिया गया। इस बड़ी चूक का खामियाजा बुजुर्ग को अपनी वृद्धावस्था पेंशन खोकर भुगतना पड़ रहा है।

बता दें कि नगर के वार्ड संख्या 14, मोहल्ला रोगनग्रान (विवेकानंद चौक) के रहने वाले करीब 70 वर्षीय रामकुमार पुत्र स्व. कृपाल अपनी आजीविका चलाने के लिए ठेले पर टिक्की-समोसे की चांट बेचते हैं। पिछले कई महीनों से जब उन्हें वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिली, तो उन्होंने विकास भवन जाकर इसकी जानकारी ली। वहाँ जो पता चला, उसने उन्हें स्तब्ध कर दिया। विभागीय रिकॉर्ड में उन्हें 'मृत' दर्ज कर उनकी पेंशन रोक दी गई थी। रामकुमार ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा, 'साहब, मैं जिंदा हूं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में मुझे मृत दिखा दिया गया है।' पीड़ित ने अधिकारियों के समक्ष अपना आधार कार्ड और पहचान पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने जीवित होने का प्रमाण भी दिया, लेकिन बावजूद इसके अभी तक उनकी पेंशन बहाल नहीं की गई है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका के किसी कर्मचारी की लापरवाही के कारण उन्हें इस मानसिक और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी पेंशन जल्द बहाल करने की मांग की है। वहीं स्थानीय वार्ड सभासद अंजलि सिसोदिया ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यह घटना प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करती है। उन्होंने भी दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में नगर पालिका परिषद जहांगीराबाद के प्रधान लिपिक उधम सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का भरोसा दिलाया है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि यदि रिकॉर्ड में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो उसे तत्काल ठीक कराकर पीड़ित की पेंशन पुनः शुरू कराई जाएगी।

मसालों की गुणवत्ता जांच को लेकर खाद्य विभाग की छापेमारी, चार नमूने भरे

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मसालों की गुणवत्ता की जांच के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर चार नमूने संग्रहित किए। यह कार्रवाई आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के निर्देश पर की गई।

सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आर.एल. यादव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल ने सुभाषनगर, शोहरतगढ़ स्थित एक प्रतिष्ठान से गोल्डी ब्रांड हल्दी पाउडर का नमूना लिया। वहीं तेतरी बाजार, नौगढ़ से कैच ब्रांड सब्जी मसाला तथा इंदिरा नगर, बांसी से आर.एल. ब्रांड लाल मिर्च पाउडर और गर्नी ब्रांड हल्दी पाउडर का नमूना संग्रहित किया गया। अभियान के दौरान कुल चार नमूने लेकर उन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी दल में सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आर.एल. यादव के अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरालाल और नीरज कुमार चौधरी शामिल रहे।

ई-रजिस्ट्री प्रणाली के विरोध में दस्तावेज लेखकों और अधिवक्ताओं का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी

क्षेत्र में इस हड़ताल को लेकर गहमागहमी का माहौल बना हुआ है

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही नई ई-रजिस्ट्री प्रणाली के विरोध में प्रदेशव्यापी आह्वान पर शिकारपुर में भी दस्तावेज लेखकों, अधिवक्ताओं और ई-स्टांप वेंडरों का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन शुक्रवार को भी उग्र रूप से जारी रहा। आंदोलनकारियों ने सरकार के इस फैसले को काला कानून बताते हुए रजिस्ट्री कार्यालय पर तालाबंदी कर दी और जमकर नारेबाजी की रजिस्ट्री दफ्तर पर जड़ा ताला कामकाज पूरी तरह ठप्प दस्तावेज लेखक एसोसिएशन शिकारपुर और दी बार एसोसिएशन शिकारपुर के संयुक्त नेतृत्व में सभी अधिवक्ता, लेखक और स्टांप वेंडर सुबह से ही रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए प्रदर्शनकारियों ने रजिस्ट्री कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया जिसके कारण दूसरे दिन भी रजिस्ट्री का कोई कार्य नहीं हो सका हड़ताल के चलते दूर-दराज से आए बैनामा कराने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और बैनामा कारोबार पूरी तरह से ठप्प रहा रोजी-रोटी पर मंडराया संकट स्टांप वेंडर धरने पर बैठे वेंडरों और दस्तावेज लेखकों का कहना है कि नई ई-रजिस्ट्री प्रणाली उनके पेट पर लात मारने जैसी है इस व्यवस्था से सैकड़ों परिवारों के सामने सीधे तौर पर रोजी-रोटी का गम्भीर संकट खड़ा हो जाएगा सरकार का यह फैसला पूरी तरह से जनविरोधी है बैनामा कारोबार ठप्प होने से हमारा रोजगार छिन रहा है जब तक सरकार इस काले कानून को वापस नहीं लेती हमारा आंदोलन और तालाबंदी अनिश्चितकाल तक जारी रहेगी प्रदर्शनकारी अधिवक्ता व दस्तावेज लेखक उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लाई गई नई ई-रजिस्ट्री प्रणाली कोयू तत्काल वापस लिया जाए दस्तावेज लेखकों, वेंडरों और अधिवक्ताओं के हितों को ध्यान मेंउ रखकर पुरानी व्यवस्था को ही सुचारू रखा जाए। धरना प्रदर्शन में हॉबी कौशिक हरिओम सनी राघव वीरेंद्र शर्मा सूरज प्रकाश कोमल विजय सिंह प्रदीप कुमार अभिषेक शर्मा सुभाष सिंह धर्मेंद्र विवेक शर्मा अकरम प्रेमपाल चौधरी एडवोकेट गौरव गोस्वामी एडवोकेट पवन गोस्वामी एडवोकेट राहुल कुमार दस्तावेज लेखक मुकेश आर्य सहित भारी संख्या में दस्तावेज लेखक और ई-स्टांप वेंडर अधिवक्ता आदि मौजूद रहे।

बसपा ने चलाया सदस्यता अभियान एक बूथ पांच यूथ होंगे तैनात- इन्द्रजीत गौतम

असदुल्लाह सिद्दीकी

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कु मायावती के दिशा-निर्देश पर बूथ स्तर पर सदस्य बनाने का अभियान शुरू किया गया हर बूथ पर पांच यूथ बनाने में कार्यकर्ता दिन रात मेहनत से लगकर काम कर रहे हैं।

उक्त बातें बसपा मंडल प्रभारी बस्ती मंडल इन्द्रजीत गौतम ने डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 454,455, तेनुई बेलभरया बूथ पर चौपाल के दौरान लोगों को पार्टी का सदस्य बनाया गया और चौपाल के दौरान बसपा विधानसभा प्रभारी मंटू गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार में मंहगाई चरम पर है कानून नाम की कोई चीज नहीं है हर तरफ जंगल राज है हत्या लोट डकैती आम बात हो गई है जनता भाजपा सरकार से छुटकारा पाने के लिए समय का इन्तजार कर रही है आने वाले दिनों में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनना तय है हम सभी कार्यकर्ता साथी दिन रात मेहनत कर के अपना अपना बूथ करो मजबूत अभियान में लग जायें तभी समतामूलक समाज की संस्थापना होगी। इस दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी महासचिव डा, अनिल कुमार गौतम हरिलाल आर्य अशोक कुमार बौद्ध सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धूल से बेहाल जनता, सड़क निर्माण में देरी पर भाजपा नेता सत्यवीर सिंह यादव सख्त; जून में डामरीकरण पूरा करने की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट। रतनपुर बेलौन से नरौरा, रामघाट और सिलाहरी तक निमार्णाधीन सड़क ग्रामीणों के लिए राहत की बजाय परेशानी का सबब बन गई है। सड़क पर महीनों पहले गिट्टी डालकर काम अधूरा छोड़ दिया गया, जबकि डामरीकरण न होने से पूरे मार्ग पर धूल का गुबार उड़ रहा है। हालात यह हैं कि स्कूली बच्चे, साइकिल सवार, दोपहिया चालक और पैदल राहगीर रोजाना धूल फांकने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि नरौरा प्लांट से स्वीकृत इस सड़क परियोजना का निर्माण कार्य शुरू तो कर दिया गया, लेकिन ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण काम बीच में ही ठप पड़ा है। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही से उठने वाली धूल लोगों के घरों तक पहुंच रही है, जिससे बीमारियां बढ़ने लगी हैं और ग्रामीणों का जीवन नारकीय बन गया है।

इस सड़क से रतनपुर बेलौन, रामपुर, सिलाहरी, रामघाट, धारकपुर, नगला धारकपुर, चिरौरी, जरगवां, नगला गर्वी, नगला शुमाली, नगला विधि, परिहावली, विजय नगरिया, छोटी कसेर, गंगागढ़, मौनीपुरा, ऊंचागांव, महाराजपुर, गोकुलपुर समेत दर्जनों गांव जुड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद न तो अधिकारियों ने सुध ली और न ही ठेकेदार ने निर्माण कार्य तेज किया।

भाजपा नेता सत्यवीर सिंह यादव ने सड़क निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जून माह के भीतर हर हाल में सड़क का डामरीकरण पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि जल्द निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और ठेकेदार की होगी।

सड़क निर्माण में हो रही देरी से क्षेत्र में भारी नाराजगी है और ग्रामीण अब जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं।

डीएम एवं एसएसपी द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी जिला स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। शुक्रवार को जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जनपद के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाइयों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उद्योगों के सुचारू संचालन हेतु सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना पुलिस विभाग की प्राथमिकता है। इसके साथ ही साइबर अपराध, धोखाधड़ी एवं औद्योगिक सुरक्षा से संबंधित विषयों पर भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा बैठक के दौरान सिकन्द्राबाद एवं खुर्जा औद्योगिक क्षेत्र के उधमियों द्वारा विगत बैठक में अपनी–अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु दिए गए आवेदन पत्रों पर संबंधित विभागों के द्वारा की गई कार्यवाही की विस्तृत रूप से समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि उद्यमियों से संबंधित समस्याओं का निस्तारण तत्परता से किया जाए। इस अवसर पर सीडीओ सुश्री निशा ग्रेवाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन नीतीश कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

राम जानकी मंदिर की संपत्ति बेचने का आरोप, ग्रामीणों ने पुजारी के खिलाफ थाने में दी तहरीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

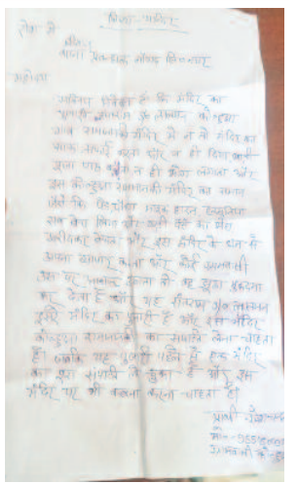

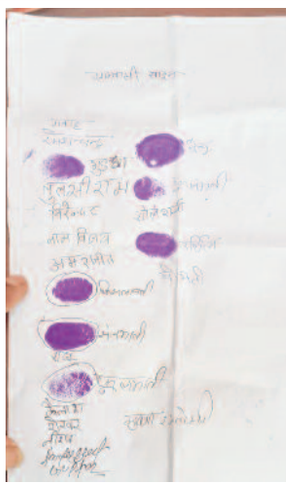

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव स्थित राम जानकी मंदिर को लेकर ग्रामीणों और पुजारी के बीच विवाद गहरा गया है। गांव के कई ग्रामीणों ने मंदिर के पुजारी संतराम पुत्र लालमन पर मंदिर की संपत्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए सिद्धार्थनगर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि संतराम मूल रूप से किसी अन्य गांव स्थित मंदिर के पुजारी हैं, लेकिन वह कोल्हुआ गांव के राम जानकी मंदिर में जबरन रह रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मंदिर परिसर में मौजूद पेड़-पौधे, लकड़ी, बांस तथा अन्य सामान को बेच दिया गया है। आरोप है कि मंदिर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर उससे प्राप्त धनराशि का निजी उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब कोई व्यक्ति इस संबंध में विरोध करता है या सवाल उठाता है तो उसे धमकी दी जाती है। मामले को लेकर गांव में आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में गांव निवासी रमेश चंद, तुलसीराम, बेचू, वीरेंद्र, अमरजीत, किसलावती, गोमती, उर्मिला, सोनमती, कृष्णा रस्तोगी सहित अन्य ग्रामीणों ने सिद्धार्थनगर थाने में लिखित शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

गंगा में डूबे युवक का एनडीआरएफ टीम भी नहीं लगा सकी पता बैरंग लौटी

बुगरासी(वेलकम इंडिया)। एनडीआरएफ की टीम भी नहीं लगा सकी पता यशपाल के शव का। पांच दिनों से भगवानपुर गंगा जी में यशपाल के शव को तलाश रही एनडीआरएफ की टीम को आखिर कार अपने गंतव्य को लौटना ही पडा। एनडीआरएफ की टीम के एक जवान रविन्द्र कुमार ने बताया कि हमारी टीम पांच दिनों से मनोज व यशपाल के शवों की तलाश में जुटी थी,अथक मेहनत के बाद बुधवार को मनोज का शव बसीबांगर के पास गंगाजी में मिल गया था, लेकिन अथक प्रयास के बाद भी यशपाल के शव को नहीं ढूंढा जा सका। एनडीआरएफ की टीम को समयानुसार वापिस जाना पड़ा। बताते चलें कि जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी मनोज व यशपाल अपने पांच अन्य साथियों के साथ भगवानपुर गंगा घाट पर नहाने आये थे,नहाते समय मनोज व यशपाल गहरे पानी में चले गये, जिसमें मनोज के शव को बुधवार को निकाल लिया गया लेकिन यशपाल के शव का अभी तक भी कोई पता नहीं लग पाया है।

स्वास्थ्यकर्मियों का योग प्रशिक्षण हुआ संपन्न: 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दृष्टिगत हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ड्डं ड्ड१ ल्रीं' ३८ अॅल्र्ल के सफल आयोजन के लिए जनपद में आशा, एएनएम और सीएचओ को योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया गया। शुक्रवार को स्याना व लखावटी समेत जिले के कई ब्लॉकों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिला स्तर पर हुए प्रशिक्षण में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बुलंदशहर के निर्देश पर सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर योग प्रशिक्षकों के माध्यम से अनिवार्य प्रशिक्षण कराया गया। समस्त चिकित्सा अधीक्षक और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने अपने-अपने ब्लॉक में आशा, एएनएम एवं सीएचओ की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की। जारी समय सारणी के अनुसार शुक्रवार को बीबी नगर, गुलावठी, लखावटी, अगौता, ऊंचागांव, स्याना, वैर और मालागढ़ ब्लॉक के स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण कराया गया। मास्टर योगा ट्रेनर सुधीर कुमार शर्मा, योगा आचार्य ने सभी प्रतिभागियों को योग प्रोटोकॉल की बारीकियां सिखाईं और अभ्यास कराया। मालूम हो कि विभाग ने सभी प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रशिक्षण समाप्ति के बाद कुल उपस्थित कर्मचारियों की रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ्स कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें, ताकि 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम सुगमता से संपन्न हो सके। अधिकारियों के अनुसार प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को योग के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे अपने क्षेत्र में आमजन को भी योग से जोड़ सकें और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बना सकें।

साइबर धोखाधड़ी की रकम पुलिस ने कराई वापस

स्याना/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। साइबर धोखाधड़ी से हड़प ली गई रकम स्याना पुलिस ने खाते में वापस कराने में सफलता हासिल की है। सीओ रामकरन सिंह ने बताया कि 3 मार्च को आवेदक अक्षय त्यागी पुत्र विरेन्द्र त्यागी निवासी स्याना ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके बैंक खाते से कुल 29 हजार 621 रुपये की साइबर धोखाधड़ी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक (अपराध) नरेश कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना स्याना साइबर हैल्प डेस्क द्वारा अथक परिश्रम करते हुए उक्त 29,621 रुपये आवेदक अक्षय त्यागी के बैंक खाते में वापस कराये गये। आवेदक द्वारा थाना स्याना पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन का आमरण अनशन जारी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर सिखेड़ा रोड के निकट स्थित मजार एवं माता स्थल को हटाने, राधा कृष्ण विहार में अतिक्रमण को समाप्त कराने तथा सीवर लाइन कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक का दूसरे दिन शुक्रवार को तहसील परिसर में आमरण अनशन जारी रहा ।

आंदोलन शुरू होते ही विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन भी उन्हें मिलने लगा है। जानकारी के अनुसार राजेंद्र कौशिक पिछले कई महीनों से सिखेड़ा रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र के बाहर हाईवे किनारे बने धार्मिक स्थलों को हटाने की मांग प्रशासन के समक्ष उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि उक्त स्थल यातायात और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने निवाड़ी रोड स्थित राधा कृष्ण विहार कॉलोनी में मुख्य मार्ग पर पशु बांधकर किए गए अतिक्रमण को हटवाने के लिए भी कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे हैं।

राजेंद्र कौशिक का आरोप है कि संबंधित मामलों में बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में उन्होंने तहसील परिसर में धरना व आमरण अनशन का ऐलान किया था। आंदोलन के पहले दिन पंजाबी मंच के अध्यक्ष राजकुमार खुराना पदाधिकारियों ने भी धरनास्थल पहुंचकर अपना समर्थन दिया। धरनास्थल पर प्रवीण त्यागी, डॉ जीके राजा, विनोद गौड़, अंकुश त्यागी, मनोज कुमार शर्मा, सुनील कुमार, डीएस कुशवाहा, महेश शर्मा, अरुण कुमार, लख्मी चंद, धीरज कौशिक एडवोकेट, वीर सिंह चौधरी, आकाश त्यागी, राकेश उपाध्याय, गीता देवी आदि मौजूद रहे।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में बैनामा लेखकों ने प्रदर्शन दूसरे दिन जारी रहा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ई-पंजीकरण व्यवस्था और रजिस्ट्री प्रक्रिया के निजीकरण के विरोध में बैनामा लेखकों ने दूसरे दिन शुक्रवार को तहसील परिसर प्रदर्शन जारी रहा । जिससे पूरे दिन कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा। बैनामा लेखकों का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने से वर्षों से कार्यरत हजारों बैनामा लेखक बेरोजगार हो जाएंगे और उनके परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।

बैनामा लेखक संघ के अध्यक्ष श्रीपाल सिंह व सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन हुआ। बैनामा लेखकों ने स्पष्ट कहा कि जब तक ई-पंजीकरण व्यवस्था और निजीकरण संबंधी प्रस्ताव वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को प्रदेश स्तर पर और व्यापक रूप दिया जाएगा।

पंजाबी संगठन ने पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के आंदोलन को दिया समर्थन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सिखेड़ा रोड स्थित मुख्य मार्ग पर पीर के कारण हुए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग को लेकर पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन द्वारा तहसील में किए जा रहे आमरण अनशन को पंजाबी संगठन, मोदीनग ने एक पत्र सौंप कर संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक को अपना समर्थन दिया है और साथ ही एक ज्ञापन एसडीएम को भी सौंपा है। पंजाबी संगठन के अध्यक्ष अजय ग्रोवर ने कहा कि यह समस्या क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों के लिए निरंतर असुविधा का कारण बनी हुई है।

जनहित से जुड़े इस महत्त्वपूर्ण विषय के शीघ्र समाधान की आवश्यकता है। पंजाबी संगठन, मोदीनगर प्रशासन से मांग करता है कि उक्त मार्ग की समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके तथा क्षेत्र में आवागमन सुगम हो सके। अजय ग्रोवर ने कहा कि हम पुरुषार्थ क्रांतिकारी संगठन के इस शांतिपूर्ण एवं जनहितकारी आंदोलन के साथ खड़े हैं और उनके न्यायोचित प्रयासों का समर्थन करते हैं।

पूर्व सैनिक स्वर्गीय जगतपाल सिंह को मरणोपरांत मिला सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन (रजिस्टर्ड) मोदीनगर के अथक प्रयासों से पूर्व सैनिक स्वर्गीय जगतपाल सिंह को मरणोपरांत सम्मान दिलाया गया।संगठन के पदाधिकारियों ने इसे पूर्व सैनिकों के सम्मान और उनके अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मालूम हो कि आदर्श नगर,सौंदा रोड टेलीफोन एक्सचेंज के पास निवासी स्वर्गीय जगतपाल सिंह ने भारतीय सेना में लगभग 15 वर्षों तक अपनी सेवाएं देकर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।88 वर्ष की आयु में उनका गुरुवार को निधन हो गया था। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन के अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लैक कैट कमांडो मनोज शर्मा ने पूर्व सैनिक जगतपाल सिंह के निधन की सूचना मिलते ही आर्मी विभाग अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया।उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप स्वर्गीय जगतपाल सिंह को मरणोपरांत तिरंगे झंडे में लपेटकर आर्मी अधिकारियों द्वारा सलामी देते हुए सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया गया। इस अवसर पर मनोज शर्मा ने कहा कि देश की सेवा करने वाले सैनिकों का सम्मान समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है।संगठन पूर्व सैनिकों,वीर नारियों तथा उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी पूर्व सैनिक या उनके परिजनों को यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो संगठन हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्गीय जगतपाल सिंह को मिला यह सम्मान न केवल उनके परिवार के लिए गौरव का विषय है,बल्कि क्षेत्र के सभी पूर्व सैनिकों के सम्मान का प्रतीक भी है।इस उपलब्धि पर संगठन के सदस्यों ने मनोज शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

पंडित जितेंद्र कुमार शर्मा ब्राह्मण महासभा मुरादनगर के अध्यक्ष बनाए गए

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा की संस्तुति पर पूठरी निवासी पंडित जितेंद्र कुमार शर्मा को मुरादनगर विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज में अपने कार्यालय पर उन्हें पटका एवं भगवान परशुराम का चित्र देकर सभा की सदस्यता दिलाई। पंडित जितेंद्र शर्मा शीघ्र ही अपनी कमेटी का गठन करके ग्राम पूठरी में एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बीडी शर्मा ने नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष को बधाई दी।

सौम्या बक्शी के ऑलराउंड प्रदर्शन से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की शानदार जीत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। स्थानीय क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने युवा क्रिकेट अकादमी को 5 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मैच में गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली सौम्या बक्शी को उनके ऑलराउंड खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए युवा क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित ओवरों में 180 रन बनाए। टीम की ओर से रघुराज ने 26 रन और विनय शर्मा ने 24 रन का योगदान दिया। हालांकि फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया।

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से सौम्या बक्शी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनके अलावा शौर्य मलिक, आरव पंचाल और नितेश ने 2-2 विकेट हासिल कर टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम ने संयमित बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में अभिमन्यु यादव ने सर्वाधिक 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि दिव्यांश शर्मा ने 39 रन बनाए। सौम्या बक्शी ने भी 19 रन का उपयोगी योगदान देकर टीम को जीत तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मैच के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सौम्या बक्शी को उनके उत्कृष्ट ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच सम्मान से नवाजा गया। उनकी घातक गेंदबाजी और महत्वपूर्ण रन टीम की जीत का आधार बने। खेल प्रेमियों ने मुकाबले का भरपूर आनंद लिया और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की इस जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है और आगामी मुकाबलों के लिए खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

आर.के.जी.आई.टी. (फार्मेसी) में फेयरवेल का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आर.के.जी.आई.टी. फार्मेसी विभाग में शुक्रवार को फेयरवेल समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ विद्यार्थियों को भावपूर्ण विदाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिनमें नृत्य, गीत एवं कविताएँ शामिल थीं। विदाई समारोह में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरणादायी संदेश दिए। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में सभी फैकल्टी मेंबर्स की उपस्थिति रही और डॉ सागरिका और ऋतुपर्णा पालित ने सफलतापूर्वक कार्यक्रम को आर्गनाइज किया !समारोह का समापन हर्षोल्लास एवं भावनात्मक वातावरण के बीच हुआ। इस मौके पर वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान , डॉक्टर विपुल गोयल (हेड, एच आर, आर के जी आई टी), एच सी गर्ग (चीफ प्रॉक्टर) प्रिंसिपल (फामेर्सी) डॉ. मोनिका सचदेवा, अभिनव अग्रवाल (डीन, फामेर्सी) और डॉ मुनींद्र मोहन वार्ष्णेय (डी . यस .डब्लू ,फामेर्सी) ने बच्चों के ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट होने पर अत्यधिक खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें एक बेहतर और सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026 का शुभारंभ: प्रथम जत्था गाजियाबाद पहुंचा, 15 जून को होगा भव्य विदाई समारोह

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026 के तहत श्रद्धालुओं का प्रथम जत्था गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन पहुंच गया है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिल रहा है। वर्तमान में प्रथम दल में 32 पुरुष और 16 महिला यात्री शामिल हैं तथा यात्रा प्रारंभ होने तक इस बैच में कुल 50 यात्रियों की संख्या पूरी हो जाएगी। कैलाश मानसरोवर भवन के प्रबंधक दिनेश गर्ग ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा 11 जून से 27 अगस्त 2026 तक संचालित की जाएगी। यात्रा के लिए कुल 20 बैच निर्धारित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक बैच में 50 श्रद्धालु शामिल होंगे। इन 20 बैचों में से 10 बैच उत्तराखंड के लिपुलेख मार्ग से तथा 10 बैच सिक्किम के नाथुला मार्ग से कैलाश मानसरोवर के लिए रवाना किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम जत्थे को 15 जून की सुबह 6 बजे पारंपरिक एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित विशेष विदाई समारोह में हरी झंडी दिखाकर सिक्किम के नाथुला मार्ग के लिए रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यात्रियों के लिए गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन में आवास, भोजन, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। यात्रा शुरू होने से पहले सभी श्रद्धालुओं को यहां ठहराया जा रहा है ताकि वे पूरी तरह से तैयार होकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल सकें। कैलाश मानसरोवर यात्रा को हिंदू धर्म की सबसे पवित्र और कठिन यात्राओं में से एक माना जाता है। भगवान शिव के धाम कैलाश पर्वत और पवित्र मानसरोवर झील के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं। ऐसे में यात्रा के प्रथम जत्थे के गाजियाबाद पहुंचने के साथ ही धार्मिक उत्साह का माहौल और अधिक बढ़ गया है। श्रद्धालुओं ने यात्रा को जीवन का सौभाग्य बताते हुए सफल और मंगलमय यात्रा की कामना की है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर दिनेश कुमार गोयल एम0एल0सी0 द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी, कविनगर मण्डल द्वारा सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने हेतु विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया गया। विशेष जनसम्पर्क अभियान के अन्तर्गत गाजियाबाद महानगर के कविनगर मंडल में दिनेश कुमार गोयल सदस्य विधान परिषद ने कविनगर मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, मंडल महामंत्री अशोक कराय, रीता देओल, मंडल उपाध्यक्ष कुँवरपाल चौधरी, पुनीत बरारा, मंडल मंत्री मनु वशिष्ठ के साथ मिलकर जनसम्पर्क अभियान महरौली, राजनगर, कविनगर, और बुद्धीजीवी वर्ग के साथ मिलकर संवाद किया। इस अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों से संवाद कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनसेवा के क्षेत्र में प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, गरीब कल्याण के संकल्प और विकसित भारत के लक्ष्य पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान के अंतर्गत निम्न स्थानों पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए जिमसें मुख्य रूप सें सत्यम प्रधान, विनय राय तनुश्री अपार्टमेंट, दीपक शर्मा, सतवीर चौधरी गाँव महरौली, प्रमोद चौधरी वेव सिटी, राजकुमार शर्मा स्कार्दी सोसायटी, आलोक अग्रवाल, कविनगर, गाजियाबाद मौजूद रहें। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने मोदी सरकार की योजनाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र के विकास हेतु अपना स्नेह और समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम में कविनगर मण्डल के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्रीय जनता की उपस्थिति रही।

टोलकर्मी से मारपीट और बैरियर तोड़ने वाले तीन दबोचे, घटना में इस्तेमाल चार लग्जरी कारें बरामद

कपिल चौहान

दादरी। लुहारली टोल प्लाजा पर टोलकर्मी के साथ अभद्रता, मारपीट और टोल बैरियर तोड़ने की घटना में दादरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चार कारें भी बरामद की हैं। 11 जून 2026 को लुहारली टोल प्लाजा के मैनेजर ने थाना दादरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि काले रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार कुछ युवकों ने टोलकर्मी के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए टोल प्लाजा का बूम बैरियर तोड़ दिया। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस टीमों ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर 12 जून को कोट गांव के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करन यादव पुत्र धर्मवीर यादव, सौरभ पुत्र विनोद तथा आकाश पुत्र सतीश के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल चार वाहनों को बरामद किया है। इनमें बिना नंबर प्लेट की दो काली स्कॉर्पियो, एक बिना नंबर प्लेट की नई काली थार तथा एक सफेद ब्रेजा कार (नंबर UP14HA3750) शामिल है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गाजियाबाद पुलिस का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन: 932 विवेचकों को मिले टैबलेट, अब जांच होगी तेज, पारदर्शी और हाईटेक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सभी थानों में तैनात विवेचना अधिकारियों को अत्याधुनिक टैबलेट उपलब्ध कराए हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य विवेचनाओं को तकनीक आधारित बनाना, जांच की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत कमिश्नरेट के कुल 932 विवेचकों को टैबलेट वितरित किए गए हैं। पुलिस विभाग का मानना है कि बदलते समय में अपराधों की प्रकृति और जांच की चुनौतियों को देखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग बेहद आवश्यक हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए विवेचना अधिकारियों को डिजिटल उपकरणों से लैस किया गया है, जिससे वे मौके पर ही आवश्यक जानकारी दर्ज कर सकेंगे, दस्तावेजों का आदान-प्रदान कर सकेंगे और जांच से संबंधित सूचनाओं को तेजी से अपडेट कर सकेंगे। इससे न केवल जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी, बल्कि त्रुटियों की संभावना भी कम होगी।

इस पहल का एक बड़ा लाभ यह होगा कि कागजी कार्यवाही में उल्लेखनीय कमी आएगी। अब विवेचना अधिकारियों को कई प्रकार की रिपोर्ट और दस्तावेज तैयार करने के लिए लंबी कागजी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। डिजिटल माध्यम से सूचनाओं का संकलन और रिकॉर्ड का रखरखाव अधिक आसान और सुरक्षित हो सकेगा। इससे समय की बचत होगी और अधिकारी जांच के महत्वपूर्ण पहलुओं पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टैबलेट के उपयोग से विवेचना की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार होगा। कई मामलों में केवल दस्तावेजी प्रक्रिया के कारण जांच प्रभावित होती थी, लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद से सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान संभव होगा। इससे लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी और पीड़ितों को जल्द न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ेगी।

यह तकनीकी सुविधा भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) जैसे नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नए कानूनों के तहत डिजिटल साक्ष्यों और तकनीकी प्रक्रियाओं का महत्व बढ़ा है, ऐसे में टैबलेट विवेचना अधिकारियों के लिए एक उपयोगी उपकरण साबित होंगे।

कमिश्नरेट गाजियाबाद का यह कदम स्मार्ट पुलिसिंग की अवधारणा को मजबूत करने वाला माना जा रहा है। इससे पुलिसिंग अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित बनेगी। अधिकारियों का कहना है कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत किया जाएगा तथा नागरिकों को बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पुलिस विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस व्यवस्था का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया तो आने वाले समय में गाजियाबाद पुलिस की जांच प्रणाली और अधिक सशक्त होगी। यह पहल न केवल अपराध नियंत्रण में सहायक बनेगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को भी गति प्रदान करेगी।

कुल मिलाकर, गाजियाबाद पुलिस का यह डिजिटल कदम प्रदेश में आधुनिक और तकनीक आधारित पुलिसिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभर रहा है।

सीएमओ ने किया 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय विजय नगर डूंडाहेड़ा का औपचारिक निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) गाजियाबाद द्वारा 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय विजय नगर, डूंडाहेड़ा का औपचारिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता तथा मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं का जायजा लिया गया।

हाल ही में शहर में पोलियो का एक मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क एवं सक्रिय नजर आया। इसी क्रम में सीएमओ ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य अधिकारियों एवं चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अपनाने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा समय-समय पर टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम से बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए उन्हें उत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकता है तथा मरीजों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस सक्रियता को देखते हुए क्षेत्रीय नागरिकों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।

प्रताप विहार से करहेड़ा तक गूंजा गौ सेवा का संदेश, पशु-पक्षियों के लिए शुरू हुई विशेष व्यवस्था

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्रताप विहार के ई-ब्लॉक स्थित रामलीला ग्राउंड के पास गौ माताओं के लिए हरे चारे और स्वच्छ जल की व्यवस्था के साथ-साथ पक्षियों के लिए दाना-पात्र का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य गौ संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति सेवा एवं संवेदनशीलता की भावना को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के बाद करहेड़ा स्थित नंदिनी पार्क में गौ सेवा अभियान के तहत गौ माताओं को चारा खिलाया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ सेवा और जीवों के प्रति करुणा का विशेष महत्व है तथा ऐसे प्रयास समाज में मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर सोनू लाला, आशु शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, कार्तिक शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। सभी सहयोगियों के योगदान की सराहना करते हुए समाजहित में ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा, सद्भाव और परोपकार की भावना को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया।

कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को लेकर गाजियाबाद पुलिस अलर्ट, सुरक्षा-यातायात तैयारियों की हुई व्यापक समीक्षा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा एवं मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसीपी नगर, ट्रांस हिंडन, ग्रामीण, डीसीपी यातायात सहित सभी सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा और मोहर्रम के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की।

बैठक में कांवड़ मार्गों पर यातायात संचालन, डायवर्जन प्लान, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, ड्रोन एवं सीसीटीवी निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। वहीं मोहर्रम के जुलूसों, ताजिया मार्गों और प्रमुख आयोजनों की भी समीक्षा करते हुए स्थानीय आयोजकों एवं धर्मगुरुओं के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थलों का चिन्हीकरण कर समय रहते आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही किसी भी आकस्मिक स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा गया। गाजियाबाद पुलिस का कहना है कि दोनों पर्वों के दौरान आमजन को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के लिए व्यापक एवं सुदृढ़ कार्ययोजना के तहत कार्य किया जा रहा है।

ऑपरेशन अपराजेय: स्पेशल नीड बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के लिए नोएडा पुलिस का विशेष अभियान

कपिल चौहान

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा ह्लऑपरेशन इनविक्टस (ऑपरेशन अपराजेय)ह्व के तहत आयोजित कार्यशाला में स्पेशल नीड (विशेष आवश्यकता वाले) बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके अधिकारों की रक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई। कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों, महिला पुलिसकर्मियों और विशेषज्ञों ने भाग लेकर बच्चों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्ष्मी सिंह ने कहा कि पुलिस की सक्रिय उपस्थिति विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत सहयोग एवं सहारा प्रणाली के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

कार्यशाला में शिवहरी मीणा तथा नोएडा पुलिस महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान एमिटी यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने महिला पुलिसकर्मियों को स्पेशल नीड बच्चों से जुड़े संवेदनशील विषयों, उनकी सुरक्षा और संरक्षण के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

तनिष्क शोरूम में चोरी का बड़ा खुलासा जल्द! सेल्समैन और युवती पर शक, पुलिस की पांच टीमें सक्रिय

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कविनगर थाना क्षेत्र के आरडीसी स्थित तनिष्क ज्वैलरी शोरूम में हुई चोरी की घटना की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में शोरूम के एक सेल्समैन नितिन वर्मा और उसके साथ देखी गई एक युवती की भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस यह मानकर चल रही है कि चोरी की वारदात में अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। जांच का सबसे अहम बिंदु लॉकर की चाबी को लेकर है।

बताया जा रहा है कि लॉकर की चाबी सामान्यतः गौतम नामक कर्मचारी के पास रहती थी। ऐसे में पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चाबी आरोपित तक कैसे पहुंची। इस संबंध में गौतम से भी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले के शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का पदार्फाश होने की संभावना जताई जा रही है।

ओमकार की तलाश में दिन-रात एक, कई जिलों में पुलिस का मेगा सर्च ऑपरेशन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी क्षेत्र से अपहृत ओमकार की बरामदगी के लिए पुलिस का व्यापक अभियान लगातार जारी है। उच्चाधिकारियों के निर्देशन में गठित विशेष टीमें गाजियाबाद समेत कई जनपदों में संभावित स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। पुलिस द्वारा नहरों, नालों, बंबों, रजवाहों और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी, विशेषज्ञ गोताखोरों और ड्रोन की मदद से हर संभावित स्थान की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने विभिन्न जिलों की डीसीआरबी और मोर्चरी से समन्वय स्थापित कर 30 मई 2026 से अब तक मिले 22 अज्ञात शवों की जानकारी का मिलान भी किया है। वहीं स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास जारी है। गाजियाबाद के अलावा बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, हाथरस समेत अन्य जिलों में भी पुलिस टीमें सक्रिय हैं। संदिग्ध ठिकानों की जांच, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी, सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और खुफिया तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर तलाश अभियान को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि ओमकार की सकुशल बरामदगी उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए अभियान निरंतर जारी रहेगा।